



(१)

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ३८३]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर २८, १९८३/अस्विना ६, १९०५

No. 383]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 28, 1983/ASVINA 6, 1905

इस भाग में दिल्ली पृष्ठ संख्या वही आती है जिससे इस पहुँचने संलग्न छोटे काग में
रक्षा का कर्ता

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

खाच और सारांश पूर्ति मंत्रालय

(खाच विभाग)

अधिकारी

नई दिल्ली तारीख २७ सितम्बर, १९८३

अध्याय १

प्रारंभिक

सांकेतिका०नि० ७५२(अ) — केन्द्रीय सरकार, चीनी विकास निधि अधिनियम, १९८२ (१९८२ का ४) की धारा ९ द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अस्ति :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम चीनी विकास निधि नियम, १९८३ है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कों प्रवृत्त होंगे।
2. परिभाषाएँ :— इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
- (क) "लेखाधिकारी" से लेखा नियंत्रक खाच विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली अधिकारी है :—

- (ख) "अधिनियम" से चीनी विकास निधि अधिनियम, १९८२ (१९८२ का ४) अधिकारी है ;
- (ग) "केन्द्रीय सरकार" से जब तक कि अन्यथा विनियिष्ट न हो, भारत सरकार का खाच विभाग अधिकारी है;
- (घ) "उपकर" से चीनी उपकर अधिनियम, १९८२ (१९८२ का ३) की धारा ३ के अधीन उद्घाटित और संग्रहीत उत्पाद-शुल्क अधिकारी है ;
- (ङ) "मुख्य निदेशक" से भारत सरकार के खाच विभाग में चीनी निदेशालय का मुख्य निदेशक अधिकारी है और इसके अंतर्गत उक्त निदेशालय में कोई अपर मुख्य निदेशक, निदेशक या उप निदेशक भी है ;
- (च) "समिति" से नियम ६ के अधीन गठित स्थायी समिति अधिकारी है ;
- (छ) "विस्तीय संस्था" से कंपनी अधिनियम, १९५६ (१९५६ का १) की धारा ४क की उपधारा (१) में नियिष्ट भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक या भारतीय

- औद्योगिक प्रत्यय और विनिधान निगम लिमिटेड या ऐसी कोई अन्य वित्तीय संस्था जो उक्त अधिनियम की उपधारा (2) के अधीन विनिर्दिष्ट की जाए, अभिप्रेत है;
- (ज) 'प्ररूप' से इन नियमों से उपाबद्ध प्ररूपों में में कोई एक अभिप्रेत है;
- (झ) "ग्रेड" से भारतीय शुगर मानक ग्रेड जो कि राष्ट्रीय चीनी संस्थान, कानपुर के निदेशक द्वारा जारी की गई बोतलों में चीनी के मानक मुद्राबंद नमूनों द्वारा प्रतिलिपि है और भारतीय मानक संस्थान (प्रणाण चिह्न) अधिनियम, 1952 (1952 का 36) की धारा 2 के खंड (ङ) में निर्दिष्ट भारतीय मानक संस्थान द्वारा अधिकृत मानकों के अनुरूप है, अभिप्रेत है;
- (ञ) "अधिभोगी" से किसी चीनी कारखाने के संबंध में, वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसका चीनी कारखाने के क्रियाकलापों पर अंतिम नियंत्रण है अबना उस दशा में जब वह अधिभोगी नहीं है, उस चीनी कारखाने का स्वामी अभिप्रेत है;
- (ट) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है;
- (ठ) "चीनी कारखाने" से कोई ऐसे परिमर (जिसके अंतर्गत उसकी प्रसीमा भी है) अभिप्रेत है जिसके किसी भी भाग में चीनी का निर्बात कड़ाह प्रक्रिया द्वारा विनिर्माण किया जाता है;
- (ड) "चीनी" से किसी भी प्रकार की चीनी जिसके अंतर्गत पिसी हुई चीनी या रबेदार या पाउडर वाली चीनी जिसके अंतर्गत 90 प्रतिशत या अधिक इक्षु-शर्करा है और जिसका उत्पादन निवाह कड़ाह प्रक्रिया द्वारा किया जाता है अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत उक्त प्रक्रिया द्वारा उत्पादित कच्ची चीनी भी है;
- (इ) "चीनी उपक्रम" से ऐसा कोई उपक्रम अभिप्रेत है जो निवाह कड़ाह के माध्यम से और यांत्रिक शक्ति की सहायता से चीनी के विनिर्माण या उत्पादन में लगा हुआ है;
- (ण) "चीनी बब्ब" से अक्तूबर के प्रथम दिन को प्रारंभ होने वाली और टीक आगामी मितम्बर के तीसवें दिन को समाप्त होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है;
- (त) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं और जो अधिनियम में परिभाषित हैं वे ही अर्थ होंगे जो उनके क्रमशः अधिनियम में हैं।

अध्याय-2

निधि में जमा किया जाना और लेखाओं का बनाए रखा जाना

3. निधि में जमा किया जाना :— (1) केन्द्रीय सरकार भारत की संचित निधि में रकमों को निकालने के लिए मुच्य शीर्ष "309" सी-खाद्य-सी-9 अन्य व्यय-सी-9 (3) चीनी पर उपकर के संग्रहण के लिए संदाय (गैर-योजना) के अधीन अनुदान के लिए ममत-समय पर आवश्यक मांग विरचित कर सकेगी और मंग्रहित उपकर के आगमों से अनधिक ऐसी रकम को जो संग्रहण को लागत, जैसी कि केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट ही जाए, घटाकर आए, संसद द्वारा विनियोग के पश्चात् निधि में जमा करने की व्यवस्था करेगी।

परन्तु यह कि जब तक कि संग्रहण की ऐसी लागत विनिर्दिष्ट न की जाए तब तक वह संग्रहीत उपकर का एक प्रतिशत होगा।

(2) उपनियम (1) के उपबंधों के अधीन प्राप्त रकमों के अतिरिक्त, उधारों के प्रतिसंदाय, व्याज, उधारों और शास्ति के लिए प्रतिभूतियों की वसूली के मध्य प्राप्त रकम या कोई अन्य रकम जो अधिनियम के प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार को देय है, वित्तीय संस्था, चीनी उपक्रम, सबद्र व्यक्ति या प्राधिकारी द्वारा लेखाधिकारी के नाम भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक, नई दिल्ली को रेखाकित मांग द्वापट के माध्यम से निधि में जमा कराई जाएंगी और उसके पास सम्यक रूप से भरकर प्ररूप-1 सहित ऐसी जाएंगी। प्ररूप-1 की प्रति ऐसी संस्था, चीनी उपक्रम व्यक्ति या प्राधिकारी द्वारा केन्द्रीय सरकार को भी ऐसी जाएंगी।

4. लेखाओं का बनाए रखा जाना : लेखाधिकारी निधि का सेखा बनाए रखगा।

5. लेखा रखने की रीति :— (1) निधि के जमा जाने में प्राप्त सभी रकम का मुच्य "शीर्ष— 829" विकास और कल्याण निधि-कृषि प्रयोजन के लिए विकास निधि-चीनी विकास निधि के अधीन लेखा जोखा दिया जाएगा।

(2) अधिनियम और इन नियमों के प्रयोजनों के लिए उपगत सभी व्ययों की प्रारंभ में निम्नलिखित लेखा शीर्षों के अधीन भारत की संचित निधि में से पूर्ति को जाएगी और अंततः वे उपनियम (1) में निर्दिष्ट लेखा शीर्ष के अधीन निधि के नाम में जमा कर दिए जाएंगे :—

क-राजस्व अनुभाग

मुच्य शीर्ष "309" सी-खाद्य

- (1) सी० आई निवेशन और प्रशासन-सी-आई (2) अन्य कार्यालय—सी-आई (2) (3) चीनी विकास निधि प्रशासन (गैर-योजना),
- (2) सी० 9-अन्य व्यय-सी०-9 (4)- चीनी के बफर स्टाक बनाए रखने के लिए सहायिकी (गैर-योजना),
- (3) सी० 9-अन्य व्यय-सी०-9 (5) चीनी उचोग के विकास के लिए अनुदान सहायता (गैर-योजना)।

ख-पूजी अनुभाग

मुख्य शीर्ष “726”

- (1) उपभोक्ता उद्योग के लिए ₹०८० उधार-₹०८० चीनी ₹०८० । (2) चीनी मीलों का पुनर्वानन आधुनिकीकरण (गैर-योजना), और
- (2) उपभोक्ता उद्योगों के लिए ₹०८० उधार ₹०८० । चीनी-₹०८० । (3)-गन्ना विकास के लिए चीनी मिला को मंदाय (गैर योजना)

अध्याय 3

समिति और उपसमितियाँ, उनका गठन और उनके कृत्य :

6. स्थायी समिति

इन नियमों के प्रवृत्त होने के यथाग्रन्थ शीघ्र पश्चात् केन्द्रीय सरकार एक स्थायी समिति का गठन कर सकेगी जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्:—

- | | |
|---|--------------|
| (1) गविव, खाद्य विभाग | —अध्यक्ष |
| (2) वित्त सचिव, वित्त मंत्रालय | —सदस्य |
| (3) सचिव, कृषि और सहकारिता विभाग —सदस्य | |
| (4) वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) में सचिव | —सदस्य |
| (5) भविव, योजना विभाग | —सदस्य |
| (6) संयुक्त मन्त्रिव, वित्त मंत्रालय (वैकाकारी खंड) | —सदस्य |
| (7) संयुक्त सचिव, खाद्य विभाग —सदस्य | |
| (8) मुख्य निदेशक, चीनी निदेशालय, खाद्य विभाग | —सदस्य |
| (9) खाद्य विभाग के चीनी खंड में उप सचिव | —सदस्य सचिव: |

परन्तु यह कि केन्द्रीय सरकार, चीनी उद्योग के किसी पहले का विशेष ज्ञान रखने वाले उस सरकार के अधिक से से अधिक दो अधिकारियों को विशेषज्ञों के रूप में समिति का अपर सदस्य नाम निर्देशित कर सकेगी।

7. समिति के कृत्य:—(1) समिति उधार सहायता और अनुदान के मंदाय के लिए तथा ऐसे अन्य भागों के लिए जो केन्द्रीय भरकार द्वारा उसे निर्देशित किए जाएं नियम 16, 17 और 18 के अंतर्गत आने वाले प्रयोजनों के लिए प्राप्त आवेदनों पर समय-समय पर विचार करेगी :

परन्तु यह कि केन्द्रीय सरकार द्वारा किए गए किसी निर्देश की दशा में समिति उस सार्वज्ञ से जब वह उसे निर्देशित किए जाते हैं दो मास के भीतर अपनी सिफारिशें देंगी।

(2) समिति को अधिनियम से संबंधित ऐसे अन्य कृत्य जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर विनिश्चित किए जाएं ; सौंधे जा सकेंगे।

(3) समिति जब भी ऐसा करना आवश्यक समझे, अपने कृत्यों के बाहर और शीघ्र निर्धारण को मुकर करने के लिए एक या अधिक उप समितिया नियुक्त कर सकेगी। उप-समितियों में केवल समिति के सदस्य ही होंगे। समिति का अध्यक्ष उप-समिति के सदस्यों में से किसी एक को उसका संयोजक नाम निर्देशित कर सकेगा और जहाँ ऐसा नाम निर्देशन नहीं किया गया हो जहाँ वहाँ उस उप-समिति के सदस्य संयोजक को निर्वाचित कर सकेंगे।

(4) समिति का मदस्य-भवित्व सभी उप-समितियों के सचिव के रूप में कार्य करेगा।

समिति और उप समितियों की बैठकों से संबंधित प्रतिक्रिया

8. बैठकें:—समिति उतनी बैठकें आयोजित कर सकेगी जितनी बार वह आवश्यक भविष्य किन्तु उस की बैठक नई की प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार अन्यथा होगी :

परन्तु ऐसी तिमाही में जिसके दौरान कोई आवेदन या नियम 7 के उपनियम (2) के अधीन उसे निर्देशित कोई मामला समिति द्वारा प्राप्त नहीं किया गया हो तो उस तिमाही में किसी बैठक को आयोजित करना आवश्यक नहीं होगा।

9. कोरम:—समिति की दशा में तीन सदस्यों और उप समिति की दशा में दो सदस्यों से गणपूर्ति का गठन होगा।

10. समिति और उपसमितियों की बैठकों की अध्यक्षता करना: क्रमशः समिति का अध्यक्ष और किसी उपसमिति का संयोजक यथास्थिति, रामिति या उपसमिति की बैठकों की अध्यक्षता करेगा। यदि अध्यक्ष या यथास्थिति, संयोजक किसी कारणवश बैठक में उपस्थित होते में असमर्थ हैं तो, उपस्थित सदस्य बैठक की अध्यक्षता करने के लिए अपने में से एक सदस्य को निर्वाचित कर सकेंगे।

11. बैठक बुलाने की शक्ति:—

(1) समिति का अध्यक्ष या उप समिति का संयोजक किसी भी समय सामिति या किसी उप-समिति की बैठक बुला सकेगा :

परन्तु, यथास्थिति, अध्यक्ष या संयोजक भी उस दशा में कोई बैठक बुला सक सकेगा यदि उस प्रयोजन के लिए मांगपन्न समिति की दशा में कम से कम तीन सदस्यों द्वारा और किसी उप-समिति की दशा में दो सदस्यों द्वारा उसे प्रस्तुत किया जाता है।

(2) समिति के सदस्य-सचिव द्वारा हस्ताक्षरित कम में कम 14 दिन की स्पष्ट मूल्यना जिसमें प्रस्तावित बैठक का समय और स्थान उपदेशित किया जाएगा, समिति या उप-समिति के सदस्यों को भेजी जाएगी :

परन्तु अतिआवश्यकता की दशा में, समिति या उप-समिति की विशेष बैठक अध्यक्ष या संयोजक द्वारा किसी भी समय

बुलाई जा सकेगी जो सदस्यों को कम से कम एक दिन पहले बैठक में विचारार्थ विषय वस्तु और उन कारणों के बारे में सूचित करेगा जिन के लिए वह ऐसी बैठक अवश्यक समझता है :

परन्तु यह और कि ऐसी बैठक में किसी अन्य कामकाज का संचालन नहीं किया जाएगा ।

(3) यथास्थिति, अध्यक्ष या संयोजक, समिति या उप-समिति की बैठक में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होने के लिए किसी भी व्यक्ति को आमंत्रित कर सकेंगा किन्तु ऐसा व्यक्ति मतदान करने का हकदार नहीं होगा ।

12. कार्य सूची:—(1) नियम 11 के उपनियम (2) के परन्तुक में निर्विघ्न बैठकों को छोड़कर, समिति या किसी उप-समिति की किसी बैठक से कम से कम 7 दिन पूर्व समिति के सदस्य-सचिव द्वारा हस्ताक्षरित बैठक में संचालित किए जाने के लिए प्रस्तावित कार्य की एक सूची, यथास्थिति, समिति या उपसमिति के सदस्यों को भजो जाएगी ।

(2) ऐसा कोई कार्य जो कार्य सूची में सम्मिलित नहीं है, बैठक की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति की अनुशा के बिना बैठक में संचालित नहीं किया जाएगा ।

13. परिचालन द्वारा कामकाज : (1) कोई ऐसा कामकाज जो अव्यावश्यक प्रकृति का नहीं है और जिस का संचालन समिति या किसी उप-समिति द्वारा तब किया जाना हो जब समिति का अध्यक्ष या उप-समिति का संयोजक ऐसी अपेक्षा करे, तो उसे कागज-पत्रों के परिचालन द्वारा सदस्यों को निर्देशित किया जाएगा और इस प्रकार परिचालित और ऐसे सदस्यों के बहुमत द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव जिन्होंने अपना अनुमोदन लिखित रूप में दे दिया है, समिति या उप-समिति की सिफारिश माना जाएगा मानों प्रस्ताव का बैठक में सदस्यों के बहुमत द्वारा अनुमोदन किया गया हो :

परन्तु यह तब जब कि समिति की दशा में कम से कम तीन सदस्यों ने और उप-समिति की दशा में कम से कम दो सदस्यों ने प्रस्ताव के लिए अपना अनुमोदन दे दिया हो:

परन्तु यह और जब कि कोई प्रस्ताव कागजपत्रों के परिचालन द्वारा सदस्यों को निर्देशित किया जाता है, तो समिति के कोई तीन सदस्य या उप-समिति के दो सदस्य यह अपेक्षा कर सकेंगे कि प्रस्ताव को बैठक में सदस्यों के समझ, निर्देशित किया जाए और तदुपरि ऐसा निर्देश यथास्थिति, समिति या उप समिति की बैठक में सदस्यों के समझ किया जाएगा ।

(2) जब कोई कामकाज परिचालन द्वारा सदस्यों को निर्देशित किया जाता है तो कम से कम 14 दिन की स्पष्ट अवधि सदस्यों से उत्तर प्राप्त करने के लिए अनुशास

होगी और ऐसी अवधि की माना उस तारीख से की जाएगी जिसको उक्त कामकाज सचिव द्वारा सदस्यों को निर्देशित किया जाता है ।

(3) यदि किसी कामकाज का संचालन परिचालन द्वारा किया जाता है तो उसका परिणाम समिति के सचिव द्वारा समिति या उप-समिति के सभी सदस्यों को संसूचित किया जाएगा ।

14. मतदान:—(1) समिति या उप समिति को किसी बैठक के समझ लाए गए प्रत्येक प्रश्न का विनिष्ठय ऐसी बैठक में जिसके समझ मामला लाया गया है, उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा किया जाएगा ।

(2) किसी बैठक में मतों के बराबर होने की दशा में यथास्थिति अध्यक्ष, संयोजक या अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति का द्वितीय या तिनायक मत होगा ।

15. समिति/उप-समितियों के सदस्यों, विशेष अतिथियों आदि का यात्रा, दैनिक भत्ता आदि ।

(1) समिति या उप-समिति के काम के संबंध में अपने मुख्यालय की नगरीय सीमाओं के भीतर समिति या उप-समितियों के किसी सदस्य या किसी विशेष अतिथि द्वारा की जाने वाली कोई यात्रा ऐसे व्यक्ति द्वारा उसके नियोजक से उसको उपलब्ध सुविधा का उपयोग करके की जाएगी, परन्तु किसी सरकारी अधिकारी या केन्द्रीय अध्यक्ष किसी राज्य सरकार के स्वामित्व या नियंत्रणाधीन किसी उपक्रम के किसी कर्मचारी से विश्र कोई व्यक्ति वास्तविक दरों पर टैक्सी प्रभारों को प्रतिपूर्ति का हकदार होगा ।

(2) समिति या किसी उप-समिति के किसी सदस्य या किसी विशेष आतिथि द्वारा समिति या किसी उप-समिति के काम के संबंध में अपने मुख्यालय की नगरीय सीमाओं के बाहर की गई यात्रा के लिए सदस्य या विशेष अतिथि ऐसी यात्राओं के लिए लागू दरों पर यात्राभस्ता, दैनिक भत्ता और अन्य भत्तों का हकदार होगा, यदि वह उसके नियोजक के काम के संबंध में प्रयोजनों के लिए की गई है, परन्तु ऐसी दशा में जहां लागू दर को अनिवार्यता करना संभव नहीं है, वहां वह केन्द्रीय सरकार के ग्रेड 1 अधिकारी को ऐसी यात्रा करते समय लागू दरों का हकदार होगा :

परन्तु जब ऐसी यात्रा करने वाला व्यक्ति नियम द्वारा नासित नहीं होता है तो यात्रा-व्यय ऐसी दरों पर अनुशास द्वारा जो समिति द्वारा व्यक्ति को प्राप्तियां और उसके द्वारा सामान्यतः अपने काम के लिए उपयोग में लाए गए यात्रा के बांग को द्वारा में रखते हुए विनिश्चित की जाएं, परन्तु अनुशास नहीं होगा । अधिकारी को अनुश्रूत व्यय दरों से अधिक नहीं होगा ।

अध्याय 5

आधुनिकोकरण पुनर्वासन के लिए उधार

16. (1) ऐसा कोई चीजी उपक्रम जो किसी वित्तीय संस्था द्वारा आधुनिकीकरण और पुनर्वासन का इसकी सुसंगत स्कीम के अधीन उसके संयंत्र और मशीन के पुनर्वासन/आधुनिकीकरण के प्रयोजनार्थ सहायता के लिए अनुमोदित है, सामान्यतः इस नियम के अधीन उधार के लिए पात्र होगा :

परन्तु समिति, केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से किसी वर्ग या वर्गों के बीचोंतो उधार का ऐसी सहायता के लिए अपावृत कर सकेगी :

परन्तु यह और कि जहां समिति का यह विनिश्चय हो कि आवेदक पात्र नहीं है, वहां उसके कारण लेखदाव किए जाएंगे ।

(2) उपनियम (1) के अधीन कोई पात्र चीजी उपक्रम उसकी प्रमाणित 11 प्रतियों के साथ प्ररूप 2 में समिति को आवेदन कर सकेगा ।

(3) समिति का सदस्य-सचिव उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन की प्राप्ति के यथाशक्यशीघ्र पश्चात् आवेदन को अन्ने ठिप्पणों सहित यदि कोई हों समिति के विचारार्थ समिति के समक्ष रखेगा ।

(4) किसी आवेदन पर अन्तिम विनिश्चय करने के पूर्व समिति के लिए इस बात की छूट होगी कि वह—

- (क) आवेदक से कोई और सूचना मांग लें, या
- (ख) आवेदन संबंधित किसी पहल पर अन्वेषण करते और रिपोर्ट देने के लिए किसी उप-समिति या विशेषज्ञ की नियुक्ति करे ।

(5) किसी आवेदन पर समिति का अन्तिम विनिश्चय सिफारिश के रूप में केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा ।

(6) केन्द्रीय सरकार, समिति की सिफारिश पर और किसी अन्य सुसंगत बात पर विचार करने के पश्चात् उधार की ऐसी रकम का जो वित्तीय संस्था द्वारा ऐसे चीजी उपक्रम द्वारा समप्रवर्तक के अधिकाय के रूप में अधिकाय किए जाने के लिए अपेक्षित रकम से अधिक नहीं है जैसी केन्द्रीय सरकार द्वारा अवधारित की जाए, चीजी उपक्रम को संवाद किया जाना प्राधिकृत कर सकेगी ।

(7) उपनियम (6) के अधीन प्राधिकृत उधार की रकम केन्द्रीय सरकार द्वारा चीजी उपक्रम को संवितरित की जाएगी या उसके द्वारा चीजी उपक्रम को एकमुड़त रकम के रूप में या दो या अधिक किस्तों में संवितरण के लिए जो केन्द्रीय सरकार द्वारा आवश्यक समझी जाए, वित्तीय संस्था को संदर्भ की जाएगी ।

(8) वित्तीय संस्था उपनियम (7) के अधीन उसको संदर्भ रकम को आधुनिकीकरण या पुनर्वासन की अपनी सुसंगत स्कीम के अधीन उधार लेने के लिए चीजी उपक्रम द्वारा जुटाए जाने के लिए अरेक्षित संप्रवर्तक के अधिकाय या उसके बाग के रूप में मानेगी ।

(9)(i) उपनियम (7) में निर्दिष्ट उधार के प्रत्येक संवितरण के पहले यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार, चीजी उधार और वित्तीय संस्था के बीच एक विपक्षीय करार किया जाएगा ।

(ii) यथास्थिति, उपक्रम (i) में निर्दिष्ट वित्तीय करार या विपक्षीय करार में प्रतिसंदाय की अवधि की बायत उपबंध होंगे जिसके अन्तर्गत किस्तों की संख्या और रकम, ब्याज का संदाय, ऐसे प्रतिसंदाय/संदाय की रीति, उधार के सिए आनुषंगिक कोई अन्य विषय भी हैं और जहां तक संभव हो, वहां तक वित्तीय संस्था की आधुनिकीकरण और पुनर्वासन की सुसंगत स्कीम से संबंधित करार के निर्धारण और शर्तों के आनुषंगिक होंगे तथा अन्य सभी निर्धारण और शर्तें जिनके अन्तर्गत उधार की मंजूरी के लिए ब्याज की दरें और करार का प्ररूप भी हैं, जहां तक संभव हो वहां तक उक्त स्कीम से संबंधित करार के निर्धारणों और शर्तों के आधारों पर होंगे ।

(10) इस नियम के अधीन मंजूर किए गए उधार का प्रतिसंदाय और उस पर ब्याज का संदाय, यदि करार के निर्धारणों और शर्तों में ऐसा उपबंध है, चीजी उपक्रम द्वारा वित्तीय संस्था के माध्यम से किया जाएगा और ऐसा संदाय उस संस्था द्वारा उसकी आधुनिकीकरण और पुनर्वासन की सुसंगत स्कीम के अधीन संदर्भ उधार के वित्तीय संस्था को प्रतिसंदाय और संवाद के साथ-साथ किया जाएगा :

परन्तु इस नियम के अधीन उधार के प्रतिसंदाय की प्रत्येक किस्त की रकम वित्तीय संस्था को संवेद तत्समान किस्त के उसी अनुपात में होगी जो अनुपात निधि से मंजूर किए गए उधार की रकम का उस संस्था की आधुनिकीकरण और पुनर्वासन की सुसंगत स्कीम के अधीन मंजूर किए गए उधार की रकम का है ।

(ii) वित्तीय संस्था, उधार ग्रहीता चीजी उपक्रम से निधि से उधार के प्रतिसंदाय उस पर ब्याज के संदाय के रूप में किसी रकम या किसी अन्य पार्वतियों के प्राप्ति के तीस दिन के भीतर, उक्त रकम निधि में जमा कराएगा ।

अध्याय 6

गन्ना विकास के लिए उधार

17. (1) केन्द्रीय सरकार, समिति की सिफारिशों पर और किसी अन्य सुसंगत बात पर विचार करने के पश्चात् किसी चीजी उपक्रम को उसके बोत में गन्ने के विकास के संबंध में मिम्नालिखित प्रयोजनों के लिए निधि से उधार के संदाय को मंजूरी दे सकेगी ।

- (क) ताप अंभाक्यन्वयन संवर्तन की स्थापना ;
- (ख) नसंस्थियों का पालन-पोषण ;
- (ग) नाशक जीव नियंत्रण उपाय ,
- (घ) ग्रन्थों का विकासित किस्मों जो पैदा करने के लिए कृषकों को प्रोत्तमाहन ;
- (ङ) सिंचाई स्कीम ; और
- (च) ऐसी कोई अन्य स्कीम या परियोजना जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित की जाए :

परन्तु निधि से उधार केवल तभी मंजूर किया जाएगा, यदि केन्द्रीय सरकार का प्ररूप 3 में दी गई सूचना के आधार पर यह समाधान हो जाता है कि उम प्रयोजन के लिए किसी भी अभिकरण से कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं है और यदि उपलब्ध है तो उसकी रकम केन्द्रीय सरकार की राय में अपर्याप्त है और उसकी निधि से उधार देकर पूर्ति की जाने की आवश्यकता है।

(2) इस नियम के अधीन चीनी उपक्रम को उधार केवल उस राज्य की सरकार के माध्यम से संवितरित किया जाएगा जिसमें चीनी कारबाना अवस्थित है और चीनी उपक्रम ऐसे निवंधनों और घर्तीं पर जो केन्द्रीय सरकार उस राज्य सरकार के परामर्श से विनिश्चित करे जिसके अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा उधार के उपयोग को मानीटर किए जाने, उम स्कीम की प्रगति जिसके लिए उधार अधिग्रहण दिया जाता है, व्याज सहित उधार का प्रांतसंबंध और निधि के जमाकर्ता में प्रेषण के उपबंध भी है, एक करार निष्पादित करेगा—

(3) (क) इस नियम के अधीन अभिग्रहण उधार की रकम पर व्याज की ऐसी दर होगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर विनिश्चित की जाए।

(ख) उपनियम (2) के अधीन निष्पादित करार के उपबंधों के अनुसार उधार को रकम के प्रतिसंबंध या उसकी किसी किश्त के संदाय या उस पर व्याज के संक्षय में किसी व्यतिक्रम की दशा में चीनी उपक्रम द्वारा व्यतिक्रम की रकम पर बढ़ाई प्रतिशत प्रांतवर्ष को दर पर अनिक्षित व्याज संदेय होगा।

(4) इस नियम के अधीन उधार के लिए आवेदन उसकी 12 प्रतियों महिन उम राज्य सरकार को जिसमें आवेदक चीनी उपक्रम अवस्थित है, प्ररूप-3 में प्रस्तुत किया जाएगा और राज्य सरकार, आवेदन की संवीक्षा के पश्चात् उसे और उसकी 11 प्रतियों को अपने टिप्पणी और सिफारिशों सहित ममिति के सदस्य-मन्त्रिव द्वारा देगी।

अध्याय-7

अनुसंधान के लिए अनुदान

18. (1) केन्द्रीय सरकार समन्वय से परामर्श के पश्चात् चीनी उच्चोग के किसी भी पहलू के संबंधन और विकास के

उद्देश्य से अनुसंधान करने के लिए चीनी उच्चोग से संबंधित स्थापित संस्थाओं को अनुदानों का संदाय प्राधिकृत कर सकेगी :

परन्तु अनुदान के लिए केवल ऐसी अनुसंधान स्कीमों पर विचार किया जाएगा जिन की मिफारस उद्योग (विकास और विनियमन) आधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 के अधीन स्थापित चीनी उच्चोग विकास परिषद् द्वारा की जाती है :

परन्तु यह और कि इस नियम के अधीन प्राधिकृत अनुदान का संबंधित केवल उक्त चीनी उच्चोग विकास परिषद् के माध्यम से ही हो किया जाएगा।

(2) अनुदानों का संधाय अनुसूची में अन्तर्विष्ट उपवंशों का अधान होगा।

अध्याय-8

बफर स्टाक

19. (1) केन्द्रीय सरकार चीनी उपक्रमों के पास धारित चीनी स्टाक को, चीनी उत्पादन की संभावनाओं, देश के भीतर उपभोग के लिए चीनी और निर्यात की अपेक्षाओं और ऐसी अन्य बातों को जो आवश्यक समझी जाए, ध्यान रखते हुए समय-समय पर बफर स्टाकों में बनाए रखे जाने वाली चीनी की मात्रा का विनिश्चय कर सकेगी।

(2) बफर स्टाक में बनाए रखी गई चीनी भारतीय मानक संस्थान (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 2 के खण्ड (ङ) में निर्दिष्ट भारतीय मानक संस्थान द्वारा समय-समय पर अधिकथित ग्रेड के अनुसूप होगी और वह ऐसे ग्रेड की होगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिश्चित किया जाए।

(3) केन्द्रीय सरकार या मुख्य निदेशक गमय-समय पर चीनी कारबाने के अधिभोगी में ऐसी चीनी वर्ष या वर्षों से संबंधित चीनी की ऐसी मात्रा और ग्रेड को जो बफर-स्टाक के प्रयोजन के लिए आवश्यक हो, पृथक रखने की अपेक्षा कर सकेगा :

परन्तु प्रत्येक अधिभोगी का शेयर किसी विशेष चीनी वर्ष में चीनी उपक्रम के उत्पादन के आधार पर होगा।

(4) चीनी कारबाने का प्रत्येक अधिभोगी इस प्रकार अपेक्षित चीनी को पृथक रखेगा और उसे अलग और सुभिन्न रूप से पहचानने योग्य थैलों और लाटों में तथा चीनी उपक्रम के परिसरों के भीतर अलग गोदामों में जमा करेगा :

परन्तु केन्द्रीय सरकार आप्रवादिक मामलों में और लेखबद्ध तिए जाने के कारणों से चीनी कारबाने के अधिभोगी को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

(5) चीनी कारखाने का प्रत्येक अधिभोगी, खण्ड (3) के अधीन सूचना के जारी किए जाने की तारीख में 15 दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुप IV में तीन प्रतियों में एक अनुपालन रिपोर्ट देगा।

(6) किसी चीनी कारखाने का प्रत्येक अधिभोगी बफर स्टाक के रूप में भण्डार में रखो गई चीनी की क्वालिटी में नुकसान, हानि और क्षय के बम्बड और बाहर स्टाक के साथ अन्य स्टाक के मिश्रित हो जाने के विरुद्ध रक्षापार्टी की व्यवस्था करेगा।

(7) किसी चीनी कारखाने का प्रत्येक अधिभोगी इस प्रकार रखे गए बफर स्टाक को अग्नि और छोटी के विरुद्ध जिसके अन्तर्गत सेबमार भी है, तथा जहाँ चीनी उपकरण के परिमर मामान्यतः बाद की जोखिम से आशंकित है वहाँ बाद से भी सुरक्षित रखेगा।

(8) बफर स्टाक को किसी क्षय, नुकसान या हानि की दशा में चीनी कारखाने का प्रत्येक अधिभोगी केन्द्रीय सरकार को सिखित रूप में एक पूर्ण और विस्तृत रिपोर्ट भेजेगा जिसमें उसके आग्रण और ऐसे नुकसान क्षय या हानि के मात्रा उपलब्धि की जाएँगी।

(9) चीनी कारखाने का प्रत्येक अधिभोगी केन्द्रीय सरकार या मुख्य निदेशक अधिकारी केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रतिनियुक्त किसी अधिकारी को निरीक्षण के प्रयोजन के लिए चीनी के बफर स्टाकों तक अनवे बनाए रखने की गीति, उसकी मात्रा और क्वालिटी की बाबत जिसके अन्तर्गत उसके उत्पादन के लिए मुसंगत फ्रेड और चीनी वर्ष भी सम्मिलित है तथा बफर स्टाक में संबंधित सभी लेखा विविधों और अलेखों और लेखाओं तक पहुंच सुलभ कराएगा।

(10) चीनी कारखाने का कोई अधिभोगी, इस नियम के अधीन उपर्युक्त प्रयोजनों के मिवाय केन्द्रीय सरकार या मुख्य निदेशक की पूर्व लिखित अनुशा अग्रापन किए बिना किस बफर स्टाक को न तो हटाएगा और न प्रेषण करेगा और न ही उसको बदलेगा अथवा उसका आयन करेगा।

(11) केन्द्रीय सरकार या मुख्य निदेशक किसी भी समय किसी चीनी कारखाने के अधिभोगी में यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह बफर स्टाक से चीनी के पुराने या अतिग्रस्त स्टाक को या ऐसी चीनी का जा केन्द्रीय सानक संस्थान द्वारा अधिनियम द्वारा चीनी मानकों के अनुरूप नहीं है, जो विनियोग तांत्रिक विकास, उत्पादन, बदलने के लिए निर्मित करे।

(12) चीनी कारखाने का प्रत्येक अधिभोगी, केन्द्रीय सरकार या मुख्य निदेशक द्वारा उपान्यम (18) या (11) में निर्दिष्ट अनुशा वा संसूचन द्वारा लिए जाने के 15 दिन के भीतर, केन्द्रीय सरकार या मुख्य निदेशक को प्रस्तुप IV में एक अनुपालन रिपोर्ट तीन प्रतियों में देगा।

(13) अतिरिक्त उधार के रूप में ग्राहक लिखियों की बताए रखना और उसका उपयोग:

(क) चीनी कारखाने का प्रत्येक अधिभोगी, चीनी बफर स्टाक की मात्रा पर अतिरिक्त उधार के रूप में उनके बैंककारों से अग्रापन रकम, वर्दि कोई है, को पृथक रखेगा और इस प्रकार प्रत्येक ग्राही गई रकम को खण्ड (ख) में उपर्युक्त प्रयोजनों के लिए उसी बैंककारों के पास एक अलग खाते में जमा कराएगा।

(ख) अलग खाते में जमा की गई रकम का उपयोग उक्त अधिभोगी द्वारा चीनी कारखाने द्वारा क्रय किए गए गन्ते के लिए वेय कीमत के संदाय में भिन्न किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जाएगा, जिसके अन्तर्गत बकाया कीमत भी है।

(14) व्याज, संखारकरण और बीमा के लिए और सहायकी

केन्द्रीय सरकार ऐसे प्रत्येक चीनीकार कारखाने के अधिभोगी को प्रत्येक तिमाही, वर्ष उसके द्वारा के नियम संखारकरण बीमा और व्याज प्रमाणों के लिए सहायकी के रूप में उप नियम (15) में उपर्युक्त रीति से परिलिंगित रकम का संदाय प्राधिकृत करने के लिए—

(क) बफर स्टाक के रूप में चीनी को अपेक्षित जाता पृथक रखी है,

(ख) जिसमें इसे भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) का द्वितीय अनुसूची में संलिप्त तत्समय किसी अनुसूचन बैंक या राष्ट्रीय क्षेत्रीय और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 16) में व्यापार परिवर्तित किया गया संसारी बैंक या केन्द्रीय ग्रामार्थ बैंक के पास भर्ती नहीं है।

(ग) जिसमें इसे इन नियमों के अनुसार और नियम सरकार के सन्तुष्टि नियम में रखा है।

परन्तु व्याज प्रमाणों के भद्रे संदेश सहायकी की रकम उपनियम (15) के अधीन नियमित रकम या चीनी उपकरण द्वारा बफर स्टाक के रूप में बनाए गए चीनी की मात्रा का उसके द्वारा गिरवी रखकर अधिग्राहक उधार या अग्रिम पद चीनी उपकरण द्वारा नियमांश या उसके भाग के लिए बस्तुतः संदर्भ ॥ लेंडिंग ग्राज प्रमाणों की रकम, इन दोनों में से जो भी है, होगी।

परन्तु यह और ५६ रुपैयां भी संदाय तब तक प्राधिकृत नहीं किया जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार आपादिक परिस्थितिया में चीनी कारखाने को ऐसे अधिभोगी के लिए अन्यथा विनियम न करे जिसके

(क) चीनी उपकर अधिनियम, 1982 (1982 का 3) के अधीन चीनी पर उपकर का संदाय नहीं किया है;

(ख) चीनी उपकर नियम, 1982 के नियम ४ के अधीन अपेक्षित विवरणी (या), की सूचना नहीं दी है:

(ग) उपनियम (13) के उपबंधों का अनुपालन नहीं किया है :

(ब) बैन्ड्रीय सरकार या सुच्च निदेशक का विक्रीत नान लेखी चीनी का भाषा की मासिक विवरणी और विक्रीप आगमों की रकम नहीं दी है।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन। वे लिए किसी कलैंप्डर वर्ष के जनवरी से मार्च, अप्रैल से जून, जुलाई से सितम्बर, और अक्टूबर से दिसम्बर के मासों से लैमासिक अवधि का गठन होगा।

2. इन नियमों के प्रयोजनों के लिए बफर स्टाक के बारे में यह समझा जाएगा कि वह अक्टूबर, 1982 के पहले दिन से पूर्व अस्तित्व में थी ही थाया है।

(15) सहायकी के परिकल्पन की रीति: (1) केन्द्रीय सरकार समय समय पर प्रतिवर्ष वह दूर विनिर्दिष्ट कर सकेगी जिस पर ब्याज, भण्डारकरण, और बीमा प्रभारों वे लिए सहायकी परिकल्पन की जाएगी :

परन्तु जब तक कि ऐसी दरें विनिर्दिष्ट नहीं की जाती हैं तब तक वे उस तिमाही या ऐसी अवधि के जिसके लिए उपनियम (14) के अधीन संदाय प्राधिकृत किया जाना है, प्रारम्भ वे ठीक पूर्ववर्ती तीन मास के लिए चीनी पर उत्पाद-सुरक्ष के उत्प्रहण और भंगहण के प्रयोजन के लिए विश मंचालय में केन्द्रीय सरकार द्वारा नियत टैरिफ मूल्य के औसत के प्रतिनिवेदन से अवधारित बफर स्टाक के रूप में पूछक रखी गई चीनी के मूल्य का

(क) ब्याज प्रभारों के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष होंगी ; और

(ब) भण्डारकरण और बीमा प्ररदार सहायकी के लिए $\frac{1}{2}$ प्रतिशत प्रतिवर्ष होंगी :

परन्तु यह और कि 31 मार्च, 1983 या उसमें किसी भाग को समाप्त होने वाली तिमाही से बाद वाली तिमाही की बाबत सहायकी का संदाय बफर स्टाक का मूल्य उस सुसंगत तिमाही/अवधि के दौरान जिससे दावा संबंधित है खुले बाजार में नान लेखी चीनी के विक्रय पर दावेदार चीनी उपक्रम द्वारा किए गए चीनी के प्रति किंटल औसत वास्तविक उपापन के प्रति निर्देश से अवधारित किया जाएगा।

स्पष्टीकरण: नान लेखी चीनी से वह चीनी अधिक्रेत है जो लेखी चीनी प्रदाय (नियंत्रण) आदेश, 1979 या आवश्यक वर्षनु अधिनियम, 1955 (1955 व। 10) की धारा 3 को उपधारा (2) के खण्ड (ब) के अधीन किए गए किसी आदेश के क्षेत्र से बाहर है।

(ii) उपधारा (14) के प्रबन्ध उपनियम के अधीन रहते हुए लैमासिक अवधि या उसके भाग के लिए सहायकी

का दावा निम्नविवित कार्यक्रम के अनुसार संपादित रकम पर नामांकित होगा ।

(क) ब्याज के लिए सहायकी (रु.) = बी × बी × आई × एम
365 × 366

(ख) भण्डारकरण और बीमा बी० × बी० × एस० × एन
सहायकी (रु.) 365/366

(ग) रुपए में (7) और (ख) का योग निकटतम रुपए में पूर्णांकित ।

फार्मूला में प्रयुक्त अवधियों का स्पष्टीकरण :

1. "बी" बफर स्टाक के रूप में बनाए रखी गई चीनी की किंटलों में मात्रा है।

2. "बी" खण्ड (i) के अधीन अवधारित चीनी का प्रति किंटल मूल्य है।

3. "आई" खण्ड (i) के अधीन विनिर्दिष्ट ब्याज की दर है।

4. "एस" खण्ड (1) में विनिर्दिष्ट भण्डारकरण/बीमा प्रभारों की दर है।

5. "एन" उन दिनों की संख्या है जिनके लिए बफर स्टाक की मात्रा सुसंगत अवधि/तिमाही के दौरान बनाए रखी जाती है जो लीप वर्ष में 366 दिन से और अन्य वर्षों में 365 दिन से भाग द्वारा आई हो।

(6) खण्ड (ii) (ग) के अधीन रकम को 1 से 50 पैसों की उपेक्षा करके और 51 से 99 पैसों को एक रुपया मात्रकर निकटतम रुपए तक पूर्णांकित किया जाएगा ।

(16) ब्याज, भण्डारकरण और बीमा पर सहायकी के लिए शोध्य रकम का दावा करने की रीति :

उपनियम (15) के अधीन किसी चीनी उपक्रम को शोध्य रकम के लिए अधिभोगी द्वारा दावा पूर्ववर्ती लैमासिक अवधि के अंत के यथा शोध्य पश्चात् केन्द्रीय सरकार को प्ररूप -5 में तीन प्रतिशतों में किया जाएगा :

परन्तु केन्द्रीय सरकार लेखवद्द किए जाने वाले कारणों से कठिनाई वाले किसी अविक्षित भाग में प्ररूप V में निर्दिष्ट राज्य सरकार से प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाने का अपेक्षा को दावेदार चीनी उपक्रम द्वारा ऐसे वस्तावेजी संक्षय पैश किए जाने के अधीन जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समाधानप्रद ममत्वे जाएं, शिखित कर सकेगी ।

प्रश्न-1

[नियम 3(2)]

उधार के प्रतिसंदाय/अनुदान ते प्रतिदाय के ज्यौरे दर्शित करने वाला विवरण।

(रकम स्पष्टों में)

1. निशेपकर्ता का नाम और पता
2. मंलरन वैक ड्राफ्ट की संख्या तारीख और रकम
3. मंजूरी संख्या और तारीख सहित प्राप्त उधार/अनुदान की कुल रकम
4. प्रतिदाय किए गए उधार की कुल रकम—
 - (1) प्रतिदाय किए गए उधार की रकम
 - (2) पहले ही प्रतिदाय की गई रकम, यदि कोई है।
 - (3) प्रतिदाय किया गया कुल उधार।
 - [(1) जमा (2)]
 - (4) उधार की बकाया रकम
 - [(3) घटा (4)]

5. उधार पर ब्याज का निष्पेक—
 - (1) देय ब्याज की रकम (ब्याज की दर, अवधि और ब्याज के परिकलन के लिए मूल रकम उपर्दर्शित करें)
 - (2) निश्चिप्त ब्याज की रकम
 - (3) ब्याज की बकाया रकम, यदि कोई है।
 - [(1) घटा (2)]

6. शास्त्र मदधे या किसी अन्य मदधे निष्पेक (विनिर्दिष्ट किए जाएं)।
 - (1) शोध रकम:—
 - (2) निश्चिप्त रकम
 - (3) बकाया, यदि कोई है।

7. अनुदान के प्रतिदाय की रकम पर निष्पेक—
 - (1) प्राप्त अनुदान की रकम
 - (2) उपयोग में लाई गई रकम
 - (3) (क) वह रकम जिसका उपयोग नहीं किया गया है और जिसका इस प्रकार प्रतिदाय किया जाना है।
 - (ख) व्यतिक्रम के मदधे प्रतिदेय रकम,
 - (ग) प्रतिदेय कुल रकम [(क) जमा (ख)]
 - (4) पहले ही प्रतिदाय रकम, यदि कोई है
 - (5) अब निष्पेक की गई रकम
 - (6) प्रतिदाय किए जाने के लिए बकाया रकम

8. अनुसूची के खण्ड 5 (ख), (ग), (घ) और (ङ०) के अधीन प्रतिदाय की गई रकम पर ब्याज का निष्पेक।

- (1) देय ब्याज की रकम
(ब्याज की दर, अवधि और मूल रकम को भी उपर्दर्शित करें)

- (2) निश्चिप्त ब्याज की रकम।

- (3) ब्याज की बकाया रकम, यदि कोई है।

हस्ताक्षर
नामः
पदनाम
चौनो उपक्रम,

स्थान संस्था आदि का नाम और पता
तारीख

प्रश्न -2

[नियम 16(2)]

अधिनिकीरण/पुनर्वासन की स्कीम को वित्त पोषण किए जाने के लिए संप्रवर्तक के अभिदाय के लिए चौनो विकास निधि से विशीर सहायता के लिए आवेदन।

1. आवेदक का नाम

2. पता :

- (i) रजिस्ट्रीकृत कार्यालय
- (ii) कार्यालय की अवस्थिति
- (iii) गठन (चहे वह सहारो साप्ताहिकी, प्राइवेट/पर्सनल लिमिटेडकम्पनी, ज्यारेट सेक्ट/स्प्लिट सेक्टर होः

- (iv) निगमन रजिस्ट्रीकृत की तारीख

- (v) विद्यमान किसकलापि/अतीत कार्यः

- (i) संक्षिप्त वर्तमान किसकलापों का उल्लेख करें

- (ii) पिछले तीन वर्षों के दौरान कार्य

- (क) निर्णिष्ट उपाय और प्रबलन परिणामः को समाप्त वर्ष

— — — — — 19 19 19

- (1) अनुच्छेत पेराई क्षमता
(टी-सी-डी)

- (2) प्रतिस्थापित पेराई क्षमता
(टीसीसी)

- (3) गजे के अन्तर्गत आने वाला क्षेत्र (एकड़)

- (4) आसत उपज (टन)
(एकड़)

(५) सेत मे गशे का कुल उत्पादन (ताल्ख टन)	व्र. कार्यकारी परिणाम	वर्ष की समाप्ति पर
(६) मौजन को कुल गवधि (दिन)		19 19 19
(७) मीसम की कुल अवधि (दिन)	(१) कुल विश्व (२) माल लाभ/हार्डि	
(८) कुल उपलब्ध छठा है तिथार्थत गांगाजली के प्रतिशत	(३) निम्नलिखित पर ब्याज -- (क) अवधि ६% (ख) कामकाज पूँजी (ग) कम	
(९) पराइ की औसत देनिक दर : (क) जिसके अन्तर्गत चौमा जाना भी है, (ख) जिसके अन्तर्गत राम। जाना नहीं है।	(४) अवधयण (५) प्रचालन लाभ/हार्डि (६) कर (७) शुद्ध लाभ/हार्डि	
(१०) पिन्हे बिंद गांग कुल गशे (लख टर)	(८) नकद प्राप्तिया (९) भारत सरकार द्वारा नियत लागू कानूनी गशे का मूल्य (प्रति क्वाठल ह०)	
(११) कुल प्रांतशत गशा	(१०) वास्तम मे संदर्भ गशे का मूल्य (क्वाठल रु५५)	
(१२) कुल गशा हानि प्रतिशत गशा	(ग) वित्तीय स्थिति :--	
(१३) औसत चीमी की बसूली प्रतिशत	(१) (क) कुल नियत आस्तिया जिसके अन्तर्गत चालू काम भी है। (ख) वस करके अवधयण	
(१४) उत्पादित कुल चीमो (क्वाठल)	(२) कुल नियत आस्तिया	
(१५) वस चीमा गत ताप मूह विष्वार्षण प्रतिशत	(३) विनिवाल	
(१६) वस चीमा गत ताप मूह विष्वार्षण प्रतिशत	(४) चालू आस्तिया	
(१७) दस विद्या गत कुल विष्वार्षण प्रतिशत	(५) चालू दायित्व	
(१८) अन्तरिक्ष ईधन उपभोग (प्रतिशत गश)	(६) कुल काम इजाज पूँजी [(४) घटा (५)]	
टिप्पण (i) यदि बार्य भानको के अनुमत नहीं हुआ है और ऐद बार्य म व्यापक उत्पादक द्वारा है तो उत्पादक अधिकारी वा उत्पादक करें।	(७) सकल मूल आस्तिया [(२) जमा (३) जमा (६)]	
(ii) कृष्ण अन्य (करारलाप यदि कोई हो, जैस वासवना वागजन्म यूनिट अदि को बाबत प्रतिष्ठापित थमना उत्पादन और दक्षता आदि को प्रस्तुत करे।	(८) दोषकालिक दायित्व	
	(९) शेयर धारक की क्षमता [(७) घटा (८)]	
	(१०) शेयर पूँजी जिसके अन्तर्गत शेयर निलंबन और अप्रतिदेव निश्चेत है	
	(११) आवधिती और आधिकाय	

(12) लाभ जीरा हाँने लेवे में धाटा अपूर्त आभिया।

(10) जमा (11) घटा (12)

(13) संकलनकरता (10) जमा (11) घटा (12)

6. प्रवंध .

(क) निरेगक बोड़े।

(ब) लार्यापालिक स्थाना।

7. परियाजना परियाजना का संक्षिप्त वर्णन और परियाजना समृद्धान के प्रचालन/शमता में किस प्रकार सुधार करने के लिए अभियन्त हैं (परियाजना नियोगी की एक प्रमिता संलग्न करें) :

8. का 8 परियाजन, 60 अनुमोदित उदार उदार एकम के अवान सहारतर्ले अविक भारतीय वित्ती। संस्थाओं द्वारा किया गया है:-

(क) इदि हाँ, तो उन जीर्ण संस्था द्वारा जारी किए गए "आशय पत्र" का एक महो प्रभार्णित प्रांत संलग्न करें।

(ब) शोर्प संस्था द्वारा जनुर्वंधत तात्पर्य प्रहृति की क्रमी गति (गती) का जिसके अन्तर्गत इमाज को इन प्रतिवाय का अवधि और प्रतिमूलि भी है, उल्लेख करें।

9. परियाजना का लाभन (जो प्रत्यक्ष भारतीय वित्त संस्थाओं द्वारा अनुमोदित की गई है) (कृति साध्य विवरण और अनुमोदन र्हा, प्रभार्णित सही प्रति दें)।

10. वित्त 11वण के लाभन, हृण साम्बद्ध, जनुपात और प्रतिमूलि अंतः (का अविक भारती; वित्त संस्थाओं द्वारा अनुमोदित निए गए हैं)।

11. अखिल भारतीय प्रति संस्था द्वारा नियत संप्रवर्तक के जागदाय का प्रतिगत और रकम।

12. जावेद ह समृद्धान/उत्तरके संप्रवर्तकों की वित्तीय स्थानीय/साध्य ; सम्पन्नता को इनमें रखते हुए उत्तरके ओर्चित्य संहित संप्रवर्तह के जागदाय के लिए चीजी विकास निधि से अपेक्षित भवायता को रकम।

13. परियाजना के कार्यान्वयन की अनुसूची।

14. हृणा स्कान द पूर्व हाँने के परचात् 10 वर्षों के लिए परियाजना का लाभ/एकम 100% के विवरण का सबीक्षा-हृणक धारणाओं गहित (उपांध 1 और 2 में दिए गए प्राकोदा में) सारांश प्रस्तुत करें।

हस्ताक्ष-

नाम

पदनाम

स्थानः
तारीखःबीजी उपकरण का लाभ और एकम
(अधिभासी)

उपांध 1 से प्रश्न-2

समुत्थान सोसाइटी का नाम —————

परियाजना का नाम तोर उपर रदा का नारायण
(यह विवरण 10 वर्षों को अवधि के लिए विवर हिस्सा जाना चाहिए)

(रकम लाभ राप में)

—को नमाप्त होने वाला वर्ष 19 19 19 19

काम के दिनों की संख्या

प्रतिस्थापित शमता उत्तादन के लिए प्रतिगत उत्तादन (मात्रा

1. कुल विक्य (जिसके अन्तर्गत उत्ताद गुलक नहीं है)

2. अवधयण, के पूर्व सकून प्रचालन लाभ, (मावधिक उधारो और आस्थगित उधारों पर) व्याज, प्रबंध-पारिशमिक, एकमात्र विक्य अभिकर्ता कमीशन और कर।

3. अवधयण

4. मावधिक दरें और आस्थगित उधार पर व्याज ।

5. प्रबंध पारिशमिक ।

6. विक्य अभिकर्ता कमीशन ।

7. कर के पूर्व प्रचालन लाभ ।

[घटा (3 जमा 4 जमा 5 जमा 6)] ।

8. अप्रचालन आय ।

कर मे पूर्व लाभ (7 जमा 8) ।

10. कर

11. कर के पश्चात् लाभ (9 घटा 10) ।

12. विकास रिबेट आरक्षिती/विनिवान भता आरक्षिति ।

13. कुल वितरण योग्य लाभ ।

(11 घटा 12) ।

14. गकल नकद रकम (3 जमा 12 जमा 13) ।

15. अधिमान लाभ --

(क) रकम

(ख) दर

16. साम्या लाभ--

(क) रकम

(ख) दर

17. प्रतिधारित लाभ [घटा 13 (15 जमा 16)] ।

18. कुल नकद रकम

[14 घटा (15 जमा 16)] ।

ऋण सेवाओं का बोमा :

19. व्याज का सदाय करने के 11% तात्पर लिए ।
(11 जमा 4)

20. बीमा किया हुआ व्याज
(19 भाग 4)
21. ऋण सेवा के लिए उपलब्ध नकद
22. (वर्ष में देय होने वाली कुल ऋण सेवा सावधि) उधारों की किश्तें, आस्थगित संदाय और सावधिक उधारों और अस्थगित संदाय पर व्याज की किश्तें।
23. ऋण सेवा बीमा। (21 भाग 22)
लाभ दायकता का अनुपात
24. कुल विक्रय पर कर से पूर्व लाभ प्रचालन के पूर्व का प्रतिशत।
25. लगाई गई पूंजी पर प्राप्ति।
26. साम्या पूंजी पर कर के पश्चात् लाभ का प्रतिशत
विनिधान परिणाम अनुपात
27. विक्रय अनुपात पर लगाई गई पूंजी, विनिधान परिणाम अनुपात।
28. कुल विक्रय से जोड़ा गया सकल मूल्य (प्रतिशत)।
टिप्पणि:-मद 27 और 28 की संगणना वैसी ही रीति से की जाएंगी जैसी वित्तीय संस्था के उधार उधार स्कीम के अधीन उधार प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए की जाती है।

हस्ताक्षरित

नाम : पदनाम :

स्थान:

तारीख:

चीनी उपक्रम का नाम और पता (अधिभोगी)

उपाबंध 2 से प्रूप 2 तक

नकद रकम संबंधी विवरण

(यह विवरण 10 प्रचालन वर्षों को अवधि के लिए तैयार किया जाना चाहिए)

(हजारों में रुपए)

संनिर्माण अवधि

प्रचालन वर्ष

(अर्ध वार्षिक) 19 19 19 19

निधियों के स्रोत:

- शेयर निर्गमन।
- जोड़े गए व्याज सहित कराधान से पूर्व लाभ
- वर्ष के अवधियां उपबंध
- विकास रिकेट आरक्षिती विनिधान भत्ता आरक्षिती।
- परियोजना के लिए प्रतिभूत मध्यम और दीर्घकालिक उधारों में वृद्धि।

- अन्य मध्यम दीर्घकालिक उधार।
- अप्रतिभूत उधार और निक्षेपों में वृद्धि।
- कामकाज पूंजी के लिए बैंक उधार में वृद्धि।
- मशीन के प्रदाय-कर्ताओं को आस्थगित संदाय के लिए जिसके अन्तर्गत व्याज भी है, दायित्वों में वृद्धि।
- नियत आस्तियों का विक्रय।
- विनिधान विक्रय।
- अन्य आम (विवरण उपदर्शित करें)

कुल (क)

(हजार रुपयों में)
संनिर्माण अवधि प्रचालन अवधि

(अर्ध वार्षिक) 19 19 19 19

निधियों का व्ययन :

- परियोजना के लिए पूंजी व्यय
- अन्य प्रसामान्य पूंजी व्यय
- कामकाज पूंजी में वृद्धि
- प्रतिभूत मध्यम और दीर्घकालिक उधारों में वृद्धि —————— अखिल भारतीय संस्थाएं

————— एसएफसीएस

————— बैंक

- अप्रतिभूत दरों और निक्षेपों में वृद्धि
- कामकाज पूंजी के लिए बैंक की दरों में कमी।
- मशीन के प्रदाय कर्ताओं को आस्थगित संदायों के लिए दायित्वों में (जिसके अन्तर्गत व्याज भी है) कमी।
- अन्य कम्पनियों के विनिधानों में वृद्धि।
- सावधिक दरों पर व्याज
- कामकाज पूंजी के लिए बैंक दरों पर व्याज
- कराधान
- लाभ-साम्या-अधिमान
- अन्य व्याज (विवरण उपदर्शित करें)

कुल (ख)

हाथ में और बैंक में नकदी अतिशेष।

कुल आधिक्य/घाटा (क-ख)।

हाथ में और बैंक में अन्त अतिशेष

टिप्पणि : 1— दर्शित किए गए ओकड़ों के विस्तृत कार्यकरण का उपरबंध किया जाना चाहिए।

2 परियोजना के लिए और अन्दर प्रयोजनों के लिए उद्घरों को (प्रतिनिधियों को भी) अलग-अलग दर्शित किया जाना चाहिए।

स्थान:-	हस्ताक्षर
तारीख:	नाम
	पद नाम
	चीनी उपक्रम का नाम और पता (अधिमंत्री)

प्रश्न-3

[नियम 17 (4)]

गवर्नर के विकास के लिए वित्तीय सहायता के लिए आवेदन (राज्य सरकार के भाइस में प्रस्तुत किया जाए) (रकम रूपयों में)

1. चीनी उपक्रम का नाम और पता
2. खापता वर्ष
3. भवे पेराई क्षमता
(उन प्रतिविन)
4. पूर्ववर्ती तीन चीनी वर्षों के दोसरान पेराई किए गए गवर्नर की सावा।
5. वह प्रयोजन जिसके ज्ञान के लिए आवेदन किया गया है (कार्यान्वयन किए जाने के लिए प्रस्तावित परियोजना स्कीम पर एक विस्तृत रिपोर्ट संलग्न करें)
6. स्कीम के पूरा हा जाने पर अपेक्षित लाभ।
7. सनातन परियोजनाओं के लिए केन्द्रीय सरकार में भिन्न अभिकरणों में उपरबंध सहायता के विवरण।
8. ऐसी सहायता का उत्त्याग न करने के कारण, यदि कोई हो।
9. क्या प्रस्तावित परियोजना/स्कीम अवेदक चीनी उपक्रम के क्षेत्र में गवर्नर के विकास के लिए पूर्णतः या भागतः राज्य सरकार या किसी अन्य अभिकरण की किसी स्कीम के अन्तर्गत आती है।
10. मानवधिक उद्धार की रकम।
11. उद्धार के प्रनियन्दाय का प्रस्तावित डंग।

हस्ताक्षर

स्थान:-	नाम
तारीख:	चीनी उपक्रम का नाम और पता (अधिमंत्री)

प्रश्न-4

[नियम 19 (5) और (12)]

वफ़ स्टाक के लिए चीनी का पृथक रखा जाना और भारतीय सरकार नियम-प्रत्यालय की रिपोर्ट।

1. चीनी उपक्रम के लिए पता
2. वफ़ स्टाक के पृथक गवर्नर के लिए केन्द्रीय सरकार मुख्य नियंत्रण में संसूचना की निर्दिष्ट संख्या और तारीख़ :
3. चीनी उपक्रम द्वारा संसूचना को नं. २ पर प्राप्ति की तारीख़ ।
4. वफ़ स्टाक के रूप में पृथक रखे जाने के लिए मद् २ में निर्दिष्ट संसूचना में उपर्युक्त चीनी का ग्रेड, चीनी वर्ष और भावा (क्रिटलोग में)
5. बफ़ स्टाक के रूप में पृथक और भंडार में रखी गई चीनी की विशिष्टियाँ,
 - (i) ग्रेड
 - (ii) चीनी वर्ष
 - (iii) पृथक और भंडार में रखी गई तारीख़ वाला भावा
6. वफ़ स्टाक पे भारतीय सरकार के विवरण ।—
 - (i) गोदाम (मों) की विशिष्टियाँ (गोदाम की संख्या या कोड अन्य पहचान जाने योग्य वर्णन का प्रस्तुत करें)
 - (ii) लाट (टो) थैले (ओं) की संख्या
 - (iii) प्रत्येक लाट/स्टाक में थैलो की संख्या
 - (iv) दिए गए डनैज के प्रकार
7. यदि वफ़ स्टाक के गोदाम के किसी भाग में रखा गया है तो वह उस पर पहचानने के सुमित्र चिन्ह लगाए गए हैं यदि हां तो उसका विवरण दें।
8. क्या चीनी का बीमा किया गया है। यदि हां तो बीमार्कर्ता का नाम और पता, वह जांचित जिम्में लिए चीनी कर्गजा गया है और बीमा पालिनी को अनु-प्राप्ति प्रति दें।
- बफ़र स्टाक/स्टाकों के हटाए जाने और प्रस्थापित किए जाने की दण्ड में निम्नलिखित अतिरिक्त सूचना दें।
9. स्टाक हटाए जाने और प्रस्थापित किए जाने के कारण ।
10. हटाए जाने/प्रस्थापित किए जाने यादि को अनुजात या प्राधिकृत करने वाले केन्द्रीय सरकार/मुख्य नियंत्रण में संसूचना की निर्दिष्ट संख्या और तारीख़ ।

11. हटाए जाने की तारीख सहित हटाए गए चीनी के
[(विष्टलों में) स्टकों का ग्रेड, चीनी की और मात्रा।
12. प्रत्यस्थापन की तारीख सहित प्रतिशतापित चीनी
(विष्टल पर) के स्टकों का ग्रेड, उनकी की और मात्रा।

स्थान :

तारीख

हस्ताक्षर :

नाम

पदनाम

चीनी उपक्रम का नाम
और पता (अधिभोगी)

प्रस्तुति-5

[नियम 19 (16)]

(र्तीन प्रतियों में प्रस्तुत किया जाए।)

— — — — — तरु — — — — 19 — — को समाप्त होने वाली तिमाही की अवधि के लिए चीनी के बफर स्टाक के लिए ब्याज और भंडारकरण तथा बीमा प्रभारों के लिए सहायकी के संदर्भ का दावा करने के लिए प्रस्तु।
(ग़ज़ा विष्टलों में और रकम रूपयों में उपदर्शित की जाएगी।)

1. चीनी उपक्रम का नाम और पता
2. बंदीध सरकार/मुख्य निदेशक संसूचना(ओ) की निर्देश संलग्न आर तारीख :

 - (क) बफर स्टाक के रूप में बनाए रखे जाने वाली चीनी का कुल मात्रा,
 - (ख) बफर स्टाक के रूप में पृथक और भंडार में रखे जाने वाली चीनी की ग्रेडवार और चीनी की वर्षेवार मात्रा।

3. बफर स्टाक के रूप में वस्तुतः अलग और भंडार में रखी गई चीनी की ग्रेडवार और चीनी की वर्षेवार मात्रा।
4. बफर स्टाक के रूप में अलग और भंडार में रखी गई चीनी की अवधिवार मात्रा के विवरण।

अवधि मात्रा

से तक

5. बफर स्टाक पर बैंक से प्राप्त अतिरिक्त उधार
 - (क) प्राप्ति की तारीख सहित प्राप्त रकम
 - (ख) लेखा संख्या सहित पृथक बैंक खाता में रखी गई (क) में से रकम।
 - (ग) गश्त वे मूल्य के मंशाद के लिए अस्तुतः उपर्योग में लाई गई (ख) में से रकम।
 - (घ) दावे की अवधि/ तिमाहि की अन्तिम तारीख के समाप्त होने पर (व) घटा (ग) अतिशेष।
 - (ङ) (व) रकम के अनुप्रयोगन के विवरण।

6. नियम 19 के उपनियम (15) के अधीन निम्नलिखित के लिये विनिर्दिष्ट दर :

- (क) ब्याज (प्रतिशत प्रतिवर्ष) ;
- (ख) भंडारकरण और बीमा प्रभार (प्रतिशत प्रतिवर्ष)

7. नियम 19 के उपनियम (15) के अधीन उपबंधित चीनी का मूल्य :

मात्रा	प्रति विष्टल औसत
रूपयों में	वसूली विष्टल
टैरिक मूल्य में	(रूपये)

(i)

(ii)

(iii)

कुल

8. (i) चीनी के बफर स्टाक पर ब्याज प्रभारों के मध्ये सहायकी का परिकलन :—

(क) — — — — से — — — — तक — — — — को समाप्त तिमाही की अवधि के लिए बैंक को बास्तव में संदर्भ ब्याज की रकम (शब्दों और अंकों में)।

(ख) नियम 19 के उपनियम (15) के अधीन परिकलित रकम

(ii) नियम 19 के उपनियम 15 के अधीन परिकलित भंडार करण और बीमा प्रभारों के मध्ये रकम।

9. दावा की गई सहायकी की रकम —

(i) प्रति मद 8(i)(क) या 8(i)(ख) के अनुसार, इनमें से जो कम हो, ब्याज प्रभार।

(ii) प्रति मद 8(ii) के अनुगम भंडारकरण और बीमा प्रभार।

(iii) (i) और (ii) को कुल निकटतम रूपांतरण तक अंकों और शब्दों में पूर्णकित किया गया।

स्थान :

हस्ताक्षर

तारीख :

नाम

पदनाम

चीनी उपक्रम का नाम और पता (अधिभोगी)

घोषणा:

(1) मैं, इसके द्वारा सञ्चितापूर्वक यह प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई मूल्या महो है और इस आवेदन के प्रयोजन के लिये मुसंगत कोई जानकारी नहीं छिपाई गई है।

(2) मैं, इसके द्वारा जाने द्वारा प्राप्त गहायता की ऐसी रकम जो अपेक्षित हो, केन्द्रीय सरकार को उस दशा

में यदि ऊपर दी गई कोई जानकारी किसी भी समय गलत पायी जाये प्रतिदाय करने का वचनबंध करता है।

हस्ताक्षर

स्थान : नाम
तारीख : उपनाम
चीनी उपक्रम का नाम और पता
(अधिभोगी)

बफरस्टाक के लिए उस बैंक द्वारा जिसने उधार दिया है सत्यापन।

*यह प्रमाणित किया जाता है कि मद 4, 5(क), (ख), और (घ) 8(i) (क) के सामने दी गई सूचना सही है।

या

*प्रमाणित किया जाता है कि दावेदार चीनी उपक्रम ने तिमाही या उस अवधि के दौरान ज़िम्मेदारी यह दावा संबंधित है, बफरस्टाक के हा में उसके द्वारा पृथक रखी गई चीनी की मात्रा पर मामाल्य बैंक उधार से अधिक कोई अतिरिक्त बैंक उधार का उपयोग नहीं किया है जैसा कि मद 3 और 4 के मामने उसके द्वारा उपर्युक्त किया गया है।

*प्रमाणित किया जाता है कि क्योंकि गन्ने के मूल्यों का कोई भी देय इम दावे की अवधि के दौरान दावेदार चीनी उपक्रम के विरुद्ध बकाया नहीं था, इसलिए उपक्रम ने चीनी के बफरस्टाक पर -----को इन बैंक द्वारा उसको दिए गये -----रुपए के अतिरिक्त उधार की रकम उसमें जमा कराने के लिए इस बैंक के पास कोई खाता नहीं खोला था, तथापि बाद में दावेदार चीनी उपक्रम ने इस बैंक के पास एक अलग खाता संख्यांक -----खोला था और उसमें गन्ने के मूल्यों के देय संदाय के लिये उपयोग किये जाने के लिये -----को -----रुपये जमा कराये थे जो बाद में भविष्य में -----हो गये थे।

स्थान : नाम, पते और मोहर सहित
तारीख : प्रबंधक के हस्ताक्षर

*जो प्रमाणपत्र नागृ नहीं होता हो, उसे काट दें।

**जो नागृ न होता हो उसे काट दें।

राज्य सरकार के प्रधिकारी/अधिकारी द्वारा प्रमाणपत्र

*प्रमाणित किया जाता है कि मद 5(g) और (उ०) के सामने दी गई सूचना सही है।

या

**प्रमाणित किया जाता है कि उम तारीख से....तक (वह तारीख जिसको इस दावे की अवधि/तिमाही समाप्त होती है) जब अतिरिक्त बैंक उधार मद 5(क) के सामने उपर्युक्त रूप में अभिप्राप्त किया गया था, प्रारम्भ होने वाली अवधि के दौरान कोई भी गन्ने के मूल्य का देय चीनी उपक्रम के विरुद्ध बकाया नहीं था।

हस्ताक्षर

स्थान : नाम
तारीख : पदनाम और पता :
(जिना गन्ना अधिकारी या राज्य सरकार के किसी ऐसे राजपत्रित अधिकारी द्वारा जो चीनी उपक्रम द्वारा गन्ने के मूल्य

के संबंध के प्रवर्तन और वर्यवेक्षण के लिये उत्तरदायी है, हमताक्षर किये जायेंगे)

*जो प्रमाणपत्र नागृ नहीं होता हो, उसे काट दें।

पाष्ठती

रुपये (रुपए) की राशि प्राप्त की गई स्थान : { हस्ताक्षर (प्रथम प्रति पर राजस्व स्थान पर) नाम :
तारीख : अधिभोगी } उपनाम :
चीनी उपक्रम का नाम और पता

अनुसूची

[नियम 18(2) विविध]

चीनी विकास निधि से अनुदान के लिए निवंधन और शर्तें

(1) पाक्षता

चीनी उद्योग संबंधी कोई स्थापित संस्था किसी अनुसंधान प्रयोगन के लिए नियम 18 के लिये अनुदान के लिये आवेदन करने के लिये पात्र होगी।

(2) आवेदन का प्रूप :

अनुदान के लिये आवेदन समिति को सम्बोधित किया जायेगा और उसकी अधिप्रमाणित 11 प्रतियों सहित इस अनुसूची के उपावंश में दिए गए प्रोकार्म में समिति के मदस्य-सचिव को भेजा जायेगा।

3 अनुदान के निवंधन प्र० और शर्तें

निधि से अनुदान के निवंधन और शर्तें जहा तक संभव हो, वहां तक साधारण वित्तीय नियम संख्यांक -----के अधीन सरकार से अनुदान महापता के निवंधनों और शर्तों द्वारा शासित होंगी।

(4) अप्रिम शर्तें

इसके अतिरिक्त, निधि में प्रत्येक अलग अनुदान ऐसे और निवंधनों और शर्तों के अधीन होगा जो उपक्रम के ज्ञापन में अन्तर्विष्ट हों और जिन पर केन्द्रीय सरकार की ओर से चीनी उद्योग विकास परिषद के सदस्य-सचिव, द्वारा और ऐसी संस्था की ओर से आवेदक संस्था के प्रधान द्वारा हस्ताक्षर किये गये हों।

अनुसूची उपावंश

[अनुसूची का खण्ड (2)]

चीनी विकास निधि नियम, 1983 के अधीन अनुसंधान स्कीम के लिये अनुदान हेतु आवेदन प्रणप

1. स्कीम का नाम : (प्रस्तावित अन्वेषण का संक्षिप्त किन्तु स्पष्ट नाम है। “अनुसंधान के करने के लिये” या “के लिये स्कीम” जैसे शब्दों और वाक्यांशों के प्रयोग से बचा जाना चाहिये)

2. अवस्थिति :

- (क) आवेदक संस्था का नाम और पता
- (ख) स्कीम के कार्यान्वयन के लिये जिम्मेदार मंस्था के आवेदक/कार्यालय के प्रधान का नाम और पता।
- (ग) वास्तविक अवस्थिति जहा अनुसंधान किया जायेगा।

3. मूल अन्वेषक की बाबत सूचना :

- (क) नाम और पदनाम
- (ख) संक्षिप्त विशिष्टियों जिसमें प्रस्तावित अनुसंधान कार्य के संबंध में उसकी विशिष्ट सूचि को उपदर्शित करें।
- (ग) इस या सम्बद्ध क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रकाशनों की सूची (स्पष्ट रूप से सहलेखकों यदि कोई हों, के नाम, पत्रिका, वाल्यूम के नाम और अन्य पृष्ठों की पूर्ण संख्या उपदर्शित करें)।
- (घ) अभिकरणों/संघठनों से जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय/गज्य मरकारों भी हैं, वित्तीय सहायता से मुख्य अन्वेषक द्वारा किए गए अन्य अनुसंधान स्कीमों की सूची।

अधिकरण/संघठन का नाम	स्कीम का नाम:	
में	अधिकरण	अनुदान की राशि (रुपयों
	तक	में)

4. प्रस्तावित अनुसंधान स्कीम के साथ जोड़े जाने वाले अन्य अनुसंधान वैज्ञानिकों/प्रौद्योगिकीविदों की बाबत सूचना का उल्लेख करें :

- (क) नाम और पद-नाम
- (ख) संक्षिप्त विशिष्टियों का विशेषकर प्रस्तावित अनुसंधान स्कीम के संबंध में उसकी विशिष्ट सूचि को उपदर्शित करते हुए उल्लेख करें।
- (ग) इस या सम्बद्ध क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रकाशनों की सूची (स्पष्ट रूप से सहलेखकों यदि कोई हो, के नाम, पत्रिका, वाल्यूम के नाम और अन्य पृष्ठों की पूर्ण संख्या उपदर्शित करें)।
- (घ) ऐसी अन्य अनुसंधान स्कीम(मों) की सूची जिससे वह/वे सहयुक्त रहा हैं/ रहे हैं, जिन्हें ऐसे अभिकरणों/संघठनों से जिनके अन्तर्गत केन्द्रीय/राज्य मरकारों भी हैं, वित्तीय सहायता से किया जा रहा है।

5. उद्देश्य (उद्देश्य संक्षिप्त और परिणामोंमुख्य होने चाहिये जिन्हें विनिर्दिष्ट भाष्य के भीतर प्राप्त किया जा सके। संक्षिप्त उस समस्या के महत्व और उसकी सुसंगतता को भी उपदर्शित करें जिसकी पृष्ठ भूमि में लक्ष्यों को निर्धारित किया गया है। आधारिक लक्ष्यों के लिये की गई धारणायें और स्पष्ट विरचनाओं को भी जिनका परीक्षण किया जाना हो, दिया जाना चाहिये)।

6. व्यावहारिक/वैज्ञानिक उपयोगिता

(अन्वेषण की व्यावहारिक उपयोगिता को जिसके अन्तर्गत होने के लिये मंभाष्य आंतरिक अभिलाभ है, उपदर्शित करें)

7. भारत और विदेश में विषय पर किये गये/किये जा रहे अनुसंधान का पुनर्विलोकन

- (क) आवेदक संस्था में, (इस बात का उल्लेख करें कि क्या कोई प्रारंभक कार्य किया गया है, तकनीकियों को मानकीकृत किया गया है, आदि एकत्रित किये गये हैं)
- (ख) भारत में किया गया अनुसंधान कार्य और उसकी प्रगति,
- (ग) विदेश में किये गये अनुसंधान कार्य और उनकी प्रगति,

8. तकनीकी कार्यक्रम :

(विचाराधीन कार्यक्रमों के आवश्यक क्रमों/मदों को उपदर्शित करें जिसमें अनुसंधान स्कीम को वार्तालालित करने के लिये उपयोग की जाने वाली पद्धति और प्रायोगिक तकनीकी का संक्षिप्त विवरण दें अनुसंधान स्कीम के मूल्यांकन के लिये वर्षबार या अर्थवाचिक योजना दें)

9. अनुसंधान स्कीम जो संचालित करने के लिये अपर्धान सुविधाओं के ब्यौरे दें।

(क) पहले ही उपलब्ध है और उनको शीघ्र उपलब्ध कराया जा सकता है :

- (i) प्रयोगशाला/कार्यालय सुविधायें,
- (ii) उपस्कर/मशीन की सूची,

(ख) अपेक्षित अतिरिक्त सुविधायें:

- (i) प्रयोगशालाये और कार्यालय सुविधायें,
- (ii) उपस्कर/मशीन की सूची,

10. अवधि :

मामान्यतः यह तीन वर्ष की अवधि के लिये होगी और किसी भी दशा में यह पांच वर्ष से जिसके अन्तर्गत बढाई गई समय की अवधि भी है, परे नहीं होगी।

11. लागत के प्राकृत्यन :

(स्कीम की कुल अवधि के लिये नीचे उपलब्ध रूप में ब्यौरे देते हुए वार्षिक आधार पर प्राकृत्यन तयार करें) —

(पदों को समान पदों के लिये आवेदक संस्था/केन्द्रीय/राज्य सरकारों में विवरान वेतनमान में उपलब्ध कराया जाना चाहिये। वेतन के लिये उपबंध वेतनमान के प्रारंभिक वेतन पर ही किया जाना चाहिये)।

पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या	योग
मा०	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष

(1) अधिकारियों का वेतन

(2) स्थापना का वेतन

(सहायक कर्मचारियून्ड जैसे प्रयोगशाला, सहायक, नियन्त्रिक आदि पर व्यय मामान्यत नियन्त्रित में उपलब्ध नहीं कराया जायेगा)

(3) भत्ते और मानदेय :

- (1) महगाई भत्ता
- (2) मकान किराया
- (3) नगरीय प्रतिकरात्मक भत्ता
- (4) अन्य भत्ते (विनिर्दिष्ट किये जावे)
- (5) याक्रा भत्ता

12. आकस्मिकतायां

- (क) आवर्ती
- (ख) अनावर्ती
- (ग) कुल
- (घ) चीनी विलास निधि द्वारा अभिदाय किये जाने के लिये शेयर
- (ङ) आवेदक संस्था का शेयर

13. अनुमानित पावतियाँ :

(छाया स्कीम के कार्यकरण के परिणामस्वरूप होने वाली लगभग पावतियों को उन्नीशित करें)

14. प्रमाणित किया जाना है कि:—

- (क) स्कीम में प्रस्तावित अनुमंधान कार्य को इस विषय पर पहले से ही किये गये या अन्यत्र किये जा रहे (की अनुसंधान छाँट को किसी भी रीति में नहीं दोहराता है)
- (ख) ऊपर प्रस्तावित बेतनमाद, भत्ते आदि वे हैं जो ---- के अधीन नियोजित तासमान प्राप्तियाँ वाले व्यक्तियों को अनुज्ञय हैं ।
- (ग) वर्तमान स्कीम को आवेदक संस्था, केन्द्रीय/राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों या निजी संस्थाओं द्वारा उनकी अपनी निधियों से वित्त पोषित की जाने वाली किसी स्कीम के साथ नहीं मिलाया जा सकता ।
- (घ) स्कीम के लिये आवश्यक उपबंध येन्ड्रीय सरकार द्वारा स्कीम की मंजूरी के पूर्वानुमान में---- आवेदक संस्था को नाम) के बजट में किया जायेगा ।
- (ङ) ऊपर दे गई सूचना सही है ।

15. मैं/हम इन विहित नियंत्रणों और शर्तों का तथा उन नियंत्रणों और शर्तों का जिन्हे येन्ड्रीय सरकार आगे विहित करे, पालन करने के लिये यचनबद्ध हूँ/है ।
मैं/हम परस्पर वह समझदार जापन निष्पावित करने के 82(GT/93-94)

लिये वचनबद्ध हूँ/है जिन्हे येन्ड्रीय सरकार द्वारा और शर्तों तापाधिष्ठ होंगी जिन्हे येन्ड्रीय सरकार द्वारा और विनियोजित किया जायेगा ।

हस्ताक्षर :

नाम :

पदनाम :

तारीख

[14-1/82-सुगर (टी एफ)]

चन्द्र प्रकाश सेठ,
उप-मंत्री (एस० एफ०)

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th September, 1983

CHAPTER I

Preliminary

G.S.R. 752(E).—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Sugar Development Fund Act, 1982 (4 of 1982), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Sugar Development Fund Rules, 1983.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) 'Accounts Officer' means the Controller of Accounts, Department of Food, Government of India, New Delhi;
 - (b) 'Act' means the Sugar Development Fund Act, 1982 (4 of 1982);
 - (c) 'Central government' unless otherwise specified, means the Government of India in the Department of Food;
 - (d) 'cess' means the duty of excise levied and collected under section 3 of the Sugar Cess Act, 1982 (3 of 1982);
 - (e) 'Chief Director' means the Chief Director in the Directorate of Sugar, Department of Food of the Government of India and includes any Additional Chief Director, Director or Deputy Director in the said Directorate;
 - (f) 'Committees' means the Standing Committee constituted under rule 6;
 - (g) 'Financial institution' means the Industrial Finance Corporation of India, the Industrial Development Bank of India or the Industrial Credit and Investment

Corporation of India Limited referred to in sub-section (1) of section 4A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), or any other financial institution as may be specified under sub-section (2) of the said Act.

- (h) 'Form' means any one of the forms appended to these rules
- (i) 'grade' means the Indian Sugar Standard grade, represented by the standard sealed samples of sugar in bottles issued by the Director, National Sugar Institute, Kanpur, conforming to the standards laid down by the Indian Standards Institution referred to in clause (e) of section 2 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 (36 of 1952)
- (j) 'occupier' in relation to any sugar factory, means the person who has ultimate control over the affairs of the sugar factory, or the owner of the sugar factory in case he is not the occupier;
- (k) 'Schedule' means the Schedule annexed to these rules;
- (l) 'sugar factory' means any premises (including the precincts thereof) in any part of which sugar is manufactured by vacuum pan process;
- (m) 'sugar' means any form of sugar, including crushed sugar or sugar in crystallised or powder form, containing ninety per cent or more of sucrose and produced by the vacuum pan process and includes raw sugar produced by the said process;
- (n) 'sugar undertaking' means an undertaking engaged in the manufacture or production of sugar by means of vacuum pan and with the aid of mechanical power;
- (o) 'sugar year' means the period of twelve months commencing on the 1st day of October and ending with the 30th day of September next following :
- (p) words and expressions used in these rules and not defined herein, but defined in the Act, shall have the meaning respectively assigned to them in the Act

CHAPTER II

Credits to the Fund and maintenance of accounts

3. Credits to the Fund.—(1) the Central Government shall formulate, from time to time, neces-

sary Demand for Grants, under Major Head '309'-C-Food-C-9-Other expenditure-C9(3) payments against collection of Cess on Sugar (Non-plan), for withdrawal of amounts from the consolidated Fund of India and, after appropriation by the Parliament, arrange credit to the Fund of such amounts, not exceeding the proceeds of the cess collected, as reduced by cost of collection, as may be specified by the Central Government;

Provided that until such cost of collection is specified, it shall be one per cent of the cess collected.

(2) In addition to the amounts received under the provisions of sub-rule (1) amounts received on account of repayment of loans, interest, realisation of securities for loans and penalty for any other amounts payable to the Central Government for the purpose of the Act, shall be credited to the Fund by the institution, sugar undertaking, person or authority, authority concerned, by means of a Demand Draft, drawn on the Reserve Bank of India or the State Bank of India, New Delhi, in favour of the Accounts Officer, and shall be sent to him alongwith Form-I duly filled in. A copy of the Form-I shall also be sent to the Central Government by such institution, sugar undertaking, person or authority.

4. Maintenance of accounts.—The Accounts Officer shall maintain the accounts of the Fund.

5. Manner of accounting.—(1) All amounts received into the credit of the Fund shall be accounted for under Major Head "829" Development and Welfare Funds—Development Funds for Agricultural purposes—Sugar Development Fund.

(2) All expenditure incurred for the purposes of the Act and these rules shall be met initially from the Consolidated Fund of India under the following Head of Accounts and finally debited to the Fund under the Head of Account specified in sub-rule (1) :—

A. Revenue Section

Major Head '309'-C-Food

- (i) C. I.-Direction and Administration—C.I
(2) Other Offices—C.I.(2)(3) Administration of Sugar Development Fund (Non-Plan) :
- (ii) C.3—Other Expenditure—C. 9(4)—Subsidy for maintenance of Buffer Stock of sugar (Non-plan),
- (iii) C. 9—Other Expenditure—C. 9(5)—Grant-in-aid for Development of Sugar Industry (Non-plan);

B. Capital Section

Major Head '309'-C-Food

- (i) E.E. Loans for Consumer Industries—EE. 1 Sugar—E.E 1(2) Rehabilitation| Modernisation of Sugar Mills (Non-Plan); and
- (ii) EE. Loans for Consumer Industries—EE. 1 Sugar—EE. 1(3)—Payment to Sugar Mills for Cane Development (Non-Plan).

CHAPTER III

Committee and Sub-Committees, their constitution and function

6. Standing Committee

As soon as may be after the coming into force of these rules, the Central Government may constitute a Standing Committee consisting of the following members namely :—

(1) Secretary, Department of Food.	Chairman
(2) Finance Secretary, Ministry of Finance.	Member
(3) Secretary, Department of Agriculture and Cooperation.	Member
(4) Secretary in the Ministry of Finance (Department of Expenditure)	Member
(5) Secretary, Planning Commission	Member
(6) Joint Secretary, Ministry of Finance (Banking Division)	Member
(7) Joint Secretary, Department of Food.	Member
(8) Chief Director, Directorate of Sugar, Department of Food.	Member
(9) Deputy Secretary in the Sugar Wing of the Department of Food.	Member-Secretary.

Provided that the Central Government may nominate not more than two officers of that Government having special knowledge of any aspect of sugar industry as additional members of the Committee as experts.

7. Functions of the Committee.—(1) The Committee shall consider from time to time applications received for purposes covered under rules 16, 17 and 18 for payment of loan assistance and grants and such other matters as may be referred to it by the Central Government ;

Provided that in the case of any reference made by the Central Government, the Committee shall make its recommendations within two months from the date they are referred to it.

(2) The Committee may also be entrusted with such other functions connected with the Act as may be decided by the Central Government from time to time.

(3) The Committee may appoint one or more sub-committees whenever it considers it necessary so to do for facilitating efficient and speedy discharge of its functions. The sub-committees shall consist of only members of the Committee. The Chairman of the Committee may nominate any one of the members of the sub-committee as its convenor and where no such nomination has been made, the members of the sub-committee may themselves elect a convenor.

(4) The Member-Secretary of the Committee shall act as Secretary to all sub-committees.

CHAPTER IV

Procedures relating to meetings of Committee and sub-committees

8. Meetings.—The Committee may hold meetings as often as may be deemed necessary by it, but shall meet at least once in each quarter of a year;

Provided that in a quarter during which no application, or any other matter referable to it under sub-rule (2) of rule 7, has been received by the Committee, it shall not be necessary to hold a meeting in that quarter.

9. Quorum : Three members in the case of the Committee and two members in the case of a sub-committee shall constitute the quorum.

10. Presiding over the meetings of the Committee and sub-committees.—The Chairman of the Committee and the convenor of a sub-committee respectively shall preside over the meetings of the Committee or the sub-committee as the case may be. In the event of the Chairman or, as the case may be, the convenor being unable to attend the meeting for any reason, the members present may elect one amongst themselves to preside over the meeting.

11. Power to call a meeting : (1) The Chairman of the Committee or the convenor of a sub-committee may, at any time, call a meeting of the Committee or a sub-committee.

Provided that the Chairman or the convenor, as the case may be, shall call a meeting if a requisition for that purpose is presented to him by at least three members in the case of the Committee and two members in the case of a sub-committee.

(2) At least 14 clear days' notice indicating the time and place of a proposed meeting, signed by the Member-Secretary of the Committee, shall be sent to the members of the Committee or the sub-committee :

Provided that in case of urgency, a special meeting of the Committee or sub-committee may be called at any time by the Chairman or the convenor, who shall inform the members at least one clear day in advance of the subject matter for consideration at the meeting and the reasons for which he considers meeting urgent :

Provided further that no other business shall be transacted at such a meeting.

(3) The Chairman or the convenor, as the case may be, may invite any person to attend any meeting of the Committee or sub-committee as a special invitee but such person shall not be entitled to vote.

12. Agenda : (1) At least seven clear days before any meeting of the Committee or a sub-committee, except meetings referred to in proviso to sub-rule (2) to rule 11, a list of business proposed to be transacted at the meeting, signed by the Member-Secretary of the Committee, shall be sent to the members of the Committee or, as the case may be, or a sub-committee.

(2) No business, not included in the list of business, shall be transacted at a meeting without the permission of the person presiding over the meeting.

13. Business by Circulation.—(1) Any business which is not of an urgent nature and which is to be transacted by the Committee or a sub-committee, if the Chairman of the Committee or convenor of the sub-committee so directs, shall be referred to members by circulation of papers and any proposal so circulated and approved by the majority of the members who have given their approval in writing, shall be deemed to be the recommendation of the Committee or the sub-committee as if the proposal had been approved by a majority of the members at a meeting.

Provided that at least three members in the case of the Committee and two members in the case of a sub-committee have given their approval to the proposal.

Provided further that when a proposal is referred to members by circulation of papers, any three members of the Committee or two members of a sub-committee may require that the proposal be referred to members at a meeting, and thereupon such reference shall be made to members at a meeting of the Committee or sub-committee, as the case may be.

(2) When any business is referred to members by circulation, a period of not less than 14 clear days shall be allowed for receipt of replies from members, such period being reckoned from the date on which the said business is so referred by the Secretary to the members.

(3) If any business is transacted by circulation the result thereof shall be communicated to all the members of the Committee or sub-committee by the Secretary of the Committee.

14. Voting.—(1) Every question brought before any meeting of the Committee or sub-committee shall be decided by a majority of the members present and voting at the meeting before which the matter is brought. No member shall vote by proxy.

(2) In the case of equality of votes at a meeting, the Chairman, the convenor or the person presiding, as the case may be, shall have a second or casting vote.

15. Travelling, daily allowance etc. of members of Committee/sub-committees, special invitees etc. (1) Any journey performed by a member of the Committee or sub-committee or a special invitee in connection with the work of the Committee or a sub-committee within the city limits of his headquarters shall be performed by such persons making use of the facility available to him from his employer provided that a person other than a Government officer or an employee of an undertaking owned or controlled by the Central or a State Government shall be entitled to re-imbursement of taxi hire charges at actual rates.

(2) For journeys performed by a member of the Committee or a sub-committee or a special invitee in connection with the work of the Committee or a sub-committee outside the city limits of his headquarters, the member or special invitee shall be entitled to the travelling allowance, daily allowance and other allowances at the rates applicable for such journeys if performed for purposes in connection with the work of his employer provided that in a case where it is not possible to ascertain the applicable rate, he shall be entitled to the rates applicable to a Grade I Officer of the Central Government while performing such journeys :

Provided that when the person undertaking the journey is not governed by any rules, the travelling expenses may be allowed at rates as may be decided by the Committee having regard to the status of the person and the mode of the journey normally employed by him for his own work, provided that daily allowance to be allowed shall not exceed the rates admissible to a First Grade Officer of the Central Government.

CHAPTER V

Loan for modernisation/rehabilitation

16. (1) Any sugar undertaking, which is approved by a financial institution for assistance under its relevant scheme for modernisation and rehabilitation for the purpose of rehabilitation/modernisation of its plant and machinery, shall normally be eligible for a loan under this rule :

Provided that the Committee may, with the previous approval of the Central Government, make any class or classes of sugar undertakings ineligible for such assistance;

Provided further that where the Committee decides that an applicant is not eligible, reasons therefore shall be recorded in writing.

(2) Any eligible sugar undertaking under sub-rule (1), may make an application to the Committee in Form-II, alongwith eleven certified copies thereof.

(3) The Member-Secretary of the Committee shall, as soon as may be, after the receipt of an application referred to in sub-rule (2), place the application before the Committee alongwith his comments if any, for the Committee's consideration.

(4) It shall be open to the Committee before taking a final decision on an application, to—

- (a) call for any further information from the applicant ; or
- (b) appoint a sub-committee or expert to make an investigation and report on any aspect relating to the application.

(5) The final decision of the Committee on any application shall be submitted to the Central Government in the form of a recommendation.

(6) The Central Government may, after consideration of the recommendation of the Committee and any other relevant factor, authorise payment to a sugar undertaking of such amount of loan, not exceeding the amount required by the financial institution to be contributed by such sugar undertaking as promoters' contribution, as may be determined by the Central Government.

(7) The amount of loan authorised under sub-rule (6) shall be disbursed by the Central Government to the sugar undertaking, or paid by it to the financial institution for disbursement to the sugar undertaking, either in lump sum or in two or more instalments as may be considered necessary by the Central Government.

(8) The financial institution shall treat the amount paid to it under sub-rule (7) as the promoters' contribution, or as part thereof, required to be raised by the sugar undertaking for availing of the loan under its relevant scheme for modernisation and rehabilitation.

(9) (i) Every disbursement of a loan referred to in sub-rule (7) shall be preceded by a bilateral agreement between the Central Government and the sugar undertaking concerned, or, as the case

may be, by a tripartite agreement between the Central Government, the sugar undertaking concerned and the financial institution.

(ii) The bilateral agreement, or as the case may be, the tripartite agreement referred to in sub-clause (1) shall contain the terms and conditions with regard to the period of repayment including the number and amount of instalments, payment of interest, the manner of such repayment and any other matter incidental to the loan and shall, as far as possible, be identical to the terms and conditions of the agreement relating to the relevant scheme for modernisation and rehabilitation of the financial institution and all other terms and conditions including rates of interest and the form of agreement for grant of loans shall, as far as possible, be, on the lines of the terms and conditions of the agreement relating to the said scheme.

(10) Repayment of the loan granted under this rule and payment of interest thereon shall, if the terms and conditions of the agreement so provide, be made by the sugar undertaking through the financial institution and such repayment and payment shall run concurrently with the repayment and payment to the financial institution of the loan paid by that institution under its relevant scheme for modernisation and rehabilitation :

Provided that the amount of each instalment of repayment of the loan under this rule shall bear the same proportion to the corresponding instalment payable to the financial institution as the amount of loan granted from the Fund has to the amount of the loan granted under the relevant scheme of that institution for modernisation and rehabilitation.

(11) The financial institution shall, within thirty days of receipt of any amount from the loanee sugar undertaking by way of repayment of loan from the Fund, payment of interest thereon, or any other receipts credit the said amounts to the Fund.

CHAPTER VI

Loan for Sugarcane Development

17. (1) The Central Government may, after taking into consideration the recommendations of the Committee and any other relevant factor, accord sanction to the payment of a loan from the Fund to a sugar undertaking in connection with the development of sugarcane in its area for the purposes of—

- (a) setting up of heat treatment plants ;
- (b) bearing of nurseries ;
- (c) pest control measures ;
- (d) incentives to cultivators to switch over to improved varieties of sugarcane ;

- (e) irrigation schemes ; and
- (f) any other scheme or project as may be approved by the Central Government

Provided that loans from the Fund shall be granted only if the Central Government is satisfied on the basis of the information given in Form III that no financial assistance is available for the purpose from any agency, and, if available, the amount thereof is, in the opinion of the Central Government, inadequate and needs to be supplemented by loans from the Fund.

(2) Loan to a sugar undertaking under this rule shall be disbursed only through the Government of the State in which the sugar factory is located, upon the sugar undertaking executing an agreement on such terms and conditions as the Central Government may decide in consultation with the Government of the State, including a provision for monitoring by the State Government of utilisation of the loan, the progress of the scheme for which the loan is advanced, repayment of the loan with interest and remittance to the credit of the Fund.

(3) (a) The amount of loan advanced under this rule shall carry such rate of interest as may be decided by the Central Government from time to time.

(b) In case of any default in repayment of the amount of the loan, or payment of any instalment thereof or interest thereon in accordance with the provisions of the agreement executed under sub-rule (2), an additional interest at the rate of two and a half per cent per annum on the amount of default shall be payable by the sugar undertaking.

(4) An application for loan under this rule shall be submitted in Form-III, with twelve copies thereof to the Government of the State in which the applicant sugar undertaking is located and the State Government may, after scrutiny of the application, forward the same and eleven copies thereof with its comments and recommendations to the Member-Secretary of the Committee.

CHAPTER VII

Grants for research

18. (1) The Central Government, may, after consultation with the Committee, authorise payment of grants to established institutions connected with the sugar industry for carrying out research aimed at the promotion and development of any aspect of sugar industry :

Provided that only such research schemes shall be considered for grant as are recommended by

the Development Council for Sugar Industry established under section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951);

Provided further that disbursement of the grant authorised under this rule shall be made only through the said Development Council for Sugar Industry.

(2) Payment of grants shall be subject to the provisions contained in the Schedule.

CHAPTER VIII

Buffer Stock

19. (1) The Central Government, may, having regard to the stock of sugar held with the sugar undertakings, the prospects of sugar production, the requirement of sugar for consumption within the country and exports and such other relevant factors as may be considered necessary, decide, from time to time, the quantity of sugar to be maintained as buffer stock.

(2) The sugar maintained in the buffer stock shall conform to the grade laid down from time to time by the Indian Standards Institution referred to in clause (e) of section 2 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 (36 of 1952) and shall be of such grade as may be decided by the Central Government.

(3) The Central Government or the Chief Director may, from time to time, require an occupier of the sugar factory to set apart such quantity and grade of sugar, pertaining to such sugar year or years, as may be necessary for the purpose of buffer stock :

Provided that the share of each occupier shall be on the basis of the production of the sugar undertaking in a particular sugar year.

(4) Every occupier of a sugar factory shall set apart sugar so required, and shall store it in separate and distinctly identifiable stacks and lots and in separate godowns within the premises of the sugar undertaking :

Provided that the Central Government may, in exceptional cases and for reasons to be recorded in writing, grant exemption to an occupier of a sugar factory from the operation of this rule.

(5) Every occupier of a sugar factory shall, within fifteen days of the date of issue of the communication under clause (3), furnish a compliance report, in triplicate, in Form-IV to the Central Government.

(6) Every occupier of a sugar factory shall provide safeguards against damage loss or deteriora-

tion in the quality of sugar stored as buffer stock, and against mixing of other stocks with the buffer stock.

(7) Every occupier of a sugar factory shall insure the buffer stock so set apart against fire and theft, including burglary, and also from floods where the premises of the sugar undertaking are ordinarily exposed to the risk of floods.

(8) In case of any deterioration, damage, or loss to the buffer stock, every occupier of a sugar factory shall send to the Central Government a full and detailed report in writing indicating the reasons therefore and the extent of such damage, deterioration or loss.

(9) Every occupier of a sugar factory shall make available to the Central Government or the Chief Director or an officer deputed by the Central Government, access to the buffer stock of sugar for purposes of inspection as regards its manner of maintenance, its quantity and quality including grade and sugar year relevant to its production and also all books, records and accounts relating to the buffer stock.

(10) No occupier of a sugar factory shall, except for the purposes provided under this rule, remove, despatch or replace or dispose of any buffer stock without obtaining prior written permission of the Central Government or the Chief Director.

(11) The Central Government or the Chief Director may, at any time, require an occupier of a sugar factory to release such quantity and quality/grade of sugar out of the buffer stock for sale, consumption, replacement of old or damaged stocks of sugar or sugar not conforming to the Indian Sugar Standards as laid down by the Indian Standards Institution, as may be specified.

(12) Every occupier of a sugar factory shall, fifteen days of issue by the Central Government or the Chief Director of the permission or communication referred to in sub-rule (10) or (11), furnish a compliance report, in triplicate, in Form-IV to the Central Government and the Chief Director.

(13) Maintenance of funds received by way of additional credit and utilisation thereof :

(a) Every occupier of a sugar factory shall set apart the amount, if any, received from his bankers by way of additional credit on the quantity of buffer stock of sugar and credit the amount so set apart to a separate account with the same banker for the purpose provided in clause (b).

(b) The amount credited to the separate account shall not be used by the said

occupier for any purpose other than for payment of price, including arrears of price, payable for the sugarcane purchased by the sugar factory.

(14) Subsidy towards interest, storage and insurance :

The Central Government may authorise payment for every quarter, year or part thereof to the occupier of every sugar factory, which has,—

- set apart the required quantity of sugar as buffer stock;
- pledged by it with any scheduled bank for the time being included in the second Schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) or any State Co-operative bank or Central Co-operative bank as defined in the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981);
- maintained it in accordance with these rules, and to the satisfaction of the Central Government,

of an amount calculated in the manner provided in sub-rule (15), towards subsidy for the storage, insurance and interest charges :

Provided that the amount of subsidy payable on account of interest charges shall be the amount calculated under sub-rule (15) or the amount of interest charges actually paid, or payable by the sugar undertaking for the quarter or part thereof on the loan or advance received by it on pledging with the bank, the quantity of sugar maintained by it as buffer stock, whichever is less :

Provided further that no payment shall be authorised, unless the Central Government in exceptional circumstances decides otherwise, to the occupier of a sugar factory which has not—

- paid the cess on sugar under section 3(3) of the Sugar Cess Act, 1982 (3 of 1982),
- furnished the return(s) information required under rule 4 of the Sugar Cess Rules, 1982,
- complied with the provisions of sub-rule (13), and
- furnished to the Central Government or the Chief Director the monthly return of the quantity of non-levy sugar sold and the amount of the sale-proceeds.

Explanation.—(1) For the purpose of this rule, the months January to March, April to June, July to September, and October to December of a calendar year shall form the quarterly periods.

(2) At the commencement of these rules, the buffer stock shall be deemed to have come into being not earlier than the 1st day of October, 1982.

(15) Manner of calculation of subsidy.—(i) the Central Government may specify, from time to time, the rate, per annum at which the subsidy towards interest, storage and insurance charges shall be calculated:

Provided that till such rates are specified, they shall be—

- (a) eighteen per cent per annum towards interest charges, and
- (b) one and a half per cent per annum towards subsidy on storage and insurance charges,

of the value of sugar set apart as buffer stock, determined with reference to the average of the tariff value fixed by the Central Government in the Ministry of Finance for the purpose of levy and collection of excise duty on sugar, for the three months immediately preceding the commencement of the quarter or the period for which the payment is to be authorised under sub-rule (14):

Provided further that the payment of subsidy in respect of a quarter subsequent to the one ending on the 31st March, 1983, or a part thereof, the value of the buffer stock shall be determined with reference to the average actual realisation per quintal of sugar made by the claimant sugar undertaking on the sale of non-levy sugar in the open market during the relevant quarter|period to which the claim relates.

Explanation.—‘Non-levy’ sugar means the sugar which is outside the purview of the Levy Sugar Supply (Control) Order, 1979 or an order made under clause (f) of sub-section (2) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).

(ii) Subject to the first proviso to sub-rule (14), the claim for subsidy for a quarterly period or part thereof shall be based upon the amounts computed in accordance with the following formulae, namely :—

$$\begin{aligned}
 \text{(a) Subsidy towards interest (Rs.)} &= B \times V \times I \times N \\
 &\quad \frac{365}{366} \\
 \text{(b) Subsidy towards storage and} \\
 \text{insurance charges (Rs.)} &= B \times V \times S \times N \\
 &\quad \frac{365}{366} \\
 \text{(c) Total of (a) and (b) in rupees,} \\
 \text{rounded off to the nearest rupee=} &
 \end{aligned}$$

Explanation to the letters used in the formulae :

1. ‘B’ is the quantity, in quintals, of sugar maintained as buffer stock.

2. ‘V’ is the value per quintal of sugar determined under clause (i).
3. ‘I’ is the rate of interest specified under clause (i).
4. ‘S’ means the rate of storage|insurance charges specified in clause (i).
5. ‘N’ is the number of days for which the quantity of buffer stock is maintained during the relevant period|quarter divided by 366 days in a leap year and by 365 days in other years.
6. The amount under clause (ii)(c) shall be rounded off to the nearest rupee by ignoring 1 to 50 paise and by treating 51 to 99 paise as one rupee.

(16) Manner of claiming the amount due towards subsidy on interest, storage and insurance :

A claim for the amount due to a sugar undertaking under sub-rule (15) shall be preferred by the occupier in Form-V, in triplicate, to the Central Government, as soon as may be, after the end of the preceding quarterly period :

Provided that the Central Government may, for reasons to be recorded in writing, relax the requirements of the production of the certificate from the State Government referred to in Form V in an individual case of hardship, subject to production by the claimant sugar undertaking of such other documentary evidence as may be considered satisfactory by the Central Government.

FORM—I
[Rule 3 (2)]

Statement showing details of repayment of loan/refund of grant.

(Amount in Rupees)

1. Name and address of depositor.
2. No., date and amount of Bank Draft enclosed.
3. Total amount of loan/grant received, with sanction No. and date.
4. Total amount of loan refunded—
 - (1) Amount of loan refunded.
 - (2) Amount of loan already refunded, if any.
 - (3) Total loan refunded
[(1) + (2)]
 - (4) Outstanding amount of loan
[3 minus 4 (3)]
5. Deposit of interest on loan—
 - (1) Amount of interest payable
(Also indicate rate of interest, period and principal amount for interest calculation)
 - (2) Amount of interest deposited.
 - (3) Outstanding amount, if any, of interest.
[(1) minus (2)]

	Year ended
	19 19 19
6. Deposit on account of penalty or any other account (to be specified).	
(1) Amount due	(1) Licensed crushing capacity (TCD)
(2) Amount deposited	(2) Installed crushing capacity (TCD)
(3) Outstanding, if any.	(3) Area under sugarcane (acres)
7. Deposit on account of refund of grant.	(4) Average yield (tonnes/acres)
(1) Amount of grant received	(5) Total production of sugarcane in the area (lakh tonnes)
(2) Amount utilised.	(6) Gross duration of the season (days)
(3) (a) Amount not utilised and thus to be refunded.	(7) Net duration of the season (days)
(b) Amount refundable on account of a default.	(8) Percentage of hours lost to total available hours
(c) Total amount refundable [(a) plus (b)]	(9) Average daily rate of crushing (tonnes)—
(4) Amount, if any, refunded already.	(a) Including stoppages
(5) Amount now deposited.	(b) Excluding stoppages
(6) Outstanding amount to be refunded.	(10) Total cane crushed (lakh tonnes)
8. Deposit of interest on the amount refunded under clause 5(b), (c), (e) and (f) of the Schedule.	(11) Pol % cane
(1) Amount of interest payable. (indicate also rate of interest, period and principal amount)	(12) Total sugar losses % cane
(2) Amount of interest deposited.	(13) Average sugar recovery %
(3) Outstanding amount of interest, if any.	(14) Total sugar produced (Quintals)
	(15) Reduced mill extraction (%)
	(16) Reduced Boiling House Extraction (%)
	(17) Reduced Overall Extraction (%)
	(18) Extra fuel consumption % cane

Signature:

Name:

Designation:

Place:

Name and address of the sugar undertaking, institution etc.

Date:

FORM-II

[Rule 16 (2)]

Application for financial assistance from Sugar Development Fund towards promoters' contribution for financing modernisation/rehabilitation scheme.

I. Name of the applicant:

II. Address:

(i) Registered Office:

(ii) Location of the factory:

III. Constitution (whether Co-operative Society, Private/Public Ltd. Company, Joint Sector/Public Sector Company):

IV. Date of Incorporation/Registration:

V. Existing activity/Past performance:

(i) Briefly state the present activities:

(ii) Performance during the last 3 years:

A. Salient Production and Operating Results:

NOTE: (i) In case the performance has not been upto the accepted norms and if there has been wide fluctuation in the performance, please state the reasons, in brief.

(ii) Please furnish installed capacity, production and efficiency figures in respect of other activities, if any, such as distillery, paper unit, etc.

B. Working Results:

Year ended

19 19 19

- (1) Net sales
- (2) Gross profit/loss:
- (3) Interest on—
 - (a) Term loans
 - (b) Working capital
 - (c) Total
- (4) Depreciation
- (5) Operating profit/(loss):
- (6) Tax
- (7) Net Profit/(loss)
- (8) Cash accruals
- (9) Applicable statutory cane price fixed by the Government of India (Rupees per quintal)
- (10) Actual cane price paid (Rupees per quintal)

Year ended	19	19	19

C. Financial position

- (1) (a) Gross fixed assets including work-in-progress.
- (b) Less Depreciation
- (2) Net fixed assets
- (3) Investments
- (4) Current assets
- (5) Current liabilities
- (6) Net working capital
[(4) minus (5)]
- (7) Net tangible assets
[(2)+(3)+(6)]
- (8) Long term liabilities
- (9) Shareholders worth
[(7) minus (8)]
- (10) Share capital including share suspense and Non-Refundable Deposits
- (11) Reserve and surplus
- (12) Deficit in Profit and Loss Account and intangible assets
- (13) Net worth
[(10)+(11) minus (12)]

VI. Management:

- (a) Board of Directors:
- (b) Executive set-up:

VII. Brief description of the proposed project and how the project is expected to improve the operations/viability of the concern (Enclose a copy of the Project Report).

VIII. Whether the project has been approved by the all-India Financial Institutions for assistance under the Soft Loan Scheme:

- (a) If so, enclose a certified true copy of the "Letter of Intent" issued by the Lead Institution.
- (b) List out any condition(s) of material nature stipulated by the Lead Institution including rate of interest, repayment period and security:

IX. Cost of the Project (as approved by the all-India Financial Institutions). Please furnish break-up and certified true copy of the approval,

X. Means of Financing, Debt-Equity Ratio and Security margin (as approved by the all-India Financial Institutions).

XI. Percentage and amount of Promoters' Contribution stipulated by the all-India Financial Institutions :

XII. Amount of assistance required from Sugar Development Fund towards promoters' contribution alongwith justification therefor having regard to the financial position/resourcefulness of the applicant concern/its promoters:

XIII. Schedule of implementation of the project.

XIV. Please furnish a summary of the projected profitability/cash flow statements for 10 years after completion of the scheme (in the form at Annexures-I and II) alongwith critical assumptions.

Signature:

Name:

Place:

Designation:

Date:

**Name and address of the sugar undertaking:
(Occupier)**

ANNEXURE—I TO FORM—II

Name of the concern/Society _____
Summary of Projected profitability and cash flow
(This statement should be prepared for a period of 10 years)

(Amount in Rupees in lakhs)

Year ending	19	19	19	19

No. of working days

% output to installed capacity production (quantity).

1. Net sales (exclusive of excise duty)
2. Gross operating profit before depreciation, interest (on term loans and deferred payments), management remuneration, Sole Selling Agency commission and tax.
3. Depreciation.
4. Interest (on term loans/deferred payments).
5. Management remuneration.
6. Selling Agency Commission.
7. Operating profit before tax
[2 minus (3+4+5+6)]

Year ending	19	19	19	19
8. Non-operating income.				
9. Profit before tax (7+8).				
10. Tax				
11. Net profit after tax (9 minus 10)				
12. Development rebate reserve/ Investment Allowance Reserve.				
13. Net distributable profit. (11 minus 12)				
14. Gross cash flow (3+12+13)				
15. Preference dividend -				
(a) Amount				
(b) Rate				
16. Equity dividend -				
(a) Amount				
(b) Rate				
17. Retained profit [13 minus (15+16)]				
18. Net cash flow [14 minus (15+16)]				
Cover of debt service				
19. Funds available to pay interest (11+4)				
21. Interest coverage (19+4)				
22. Cash available for debt service (14+4)				
23. Total debt service (instalments of term loans, deferred pay- ments and interest on term loans and deferred payments falling due in the year).				
23. Debt service coverage (21+22) Profitability Ratios				
24. Percentage of operating profit before tax to net sales.				
25. Return on capital employed.				
26. Percentage of profit after tax to equity capital.				
Investment output Ratio				
27. Capital employed to sales ratio, investment output ratio.				
28. Gross value added to net sales (%)				

NOTE : - Items 27 and 28 shall be computed in the same manner as done for the purpose of securing loan under the Soft Loan Scheme of the financial institution.

Signed by :

Name :

Designation :

Name and address of the sugar
undertaking.
(occupier)

Place :

Date :

ANNEXURE-II TO FORM-II

CASH FLOW STATEMENT

(This statement should be prepared for a period of 10 operating years)

(In thousands of rupees)

	Construction	Operating	
	period	years	
	(Half yearly)	19	19

SOURCES OF FUNDS

1. Share issue.
2. Profit before taxation with interest added back.
3. Depreciation provision for the year.
4. Development rebate reserve/
Investment Allowance Reserve.
5. Increase in secured medium and long term borrowings for the projects.
6. Other medium/long term loans.
7. Increase in unsecured loans and deposits.
8. Increase in bank borrowings for working capital.
9. Increase in liabilities for deferred payment (including interest) to machinery suppliers.
10. Sale of fixed assets.
11. Sale of investment.
12. Other income (indicate details)

TOTAL (A)

	(In thousands of rupees)		
	period	years	
	(Half yearly)	19	19

DISPOSITION OF FUNDS

1. Capital expenditure for the project.
2. Other normal capital expenditure.
3. Increase in working capital.
4. Decrease in secured medium and long-term borrowings.
 - All India Institutions.
 - SFCS
 - Banks
5. Decrease in unsecured loans and deposits.
6. Decrease in Bank borrowings for working capital.
7. Decrease in liabilities for deferred payments (including interest) to machinery suppliers.

8. Increase in investment in other companies.
9. Interest on term loans.
10. Interest on bank borrowings for working capital.
11. Taxation.
12. Dividends—Equity
—Preference
13. Other expenditure (indicate details)

TOTAL (B)

14. Opening Balance of Cash in hand and at bank.
 15. Net surplus/deficit (A—B)
 16. Closing Balance of Cash in hand and at bank.
- NOTE : 1. Detailed working of the figures shown should be provided.
 2. Borrowing (as well as repayments) for the project and for other purposes should be shown separately.

Signature :

Name :

Designation :

Place : Name and address of the sugar undertaking :

Date :

(Occupier)

FORM-III

[Rule 17(4)]

Application for financial assistance for cane development
(To be submitted through the State Government)

(Amount in Rupees)

1. Name and address of sugar undertaking :
2. Year of installation :
3. Cane crushing capacity : (tonnes per day)
4. Quantity of cane crushed during the preceding three sugar years :
5. Purpose for which loan is applied for (enclose a detailed report on the project/scheme proposed to be implemented) :
6. Expected benefits on completion of the scheme :
7. Details of assistance available from agencies other than the Central Government for similar purpose :
8. Reasons, if any, for not availing of such assistance :
9. Whether the proposed project/scheme is covered in full or in part by any scheme of the State

Government or any other agency for development of sugarcane in the applicant sugar undertaking's area :

10. Amount of loan applied for :

11. Proposed mode of repayment of loan :

Signature :

Name and Designation :

Name and address of the sugar undertaking :

Place :

Date :

(Occupier)

FORM-IV

[Rule 19(5) and (12)]

Segregation and storing of sugar towards buffer stock—Report of compliance.

1. Name and address of the sugar undertaking :
2. Reference Number and date of communication from Central Government/Chief Director for setting apart buffer stock :
3. Date of receipt of the communication at item 2 by the sugar undertaking :
4. Grade, sugar year and quantity (in quintals) of sugar indicated in the communication referred to at item 2 for segregating as buffer stock :
5. Particulars of Sugar Segregated and stored as buffer stock :—
 - (i) Grade
 - (ii) Sugar Year
 - (iii) Datewise quantity segregated and stored
6. Details of storage of the buffer stock —
 - (i) Particulars of godown(s) (indicate the number of the godown or any other identifiable description)
 - (ii) Number of lot(s)/stack(s)
 - (iii) Number of bags in each lot/stack
 - (iv) Type of dunnage provided
7. If buffer stock has been kept in part of a godown, has any distinct mark of identification been given ? If so, give details thereof
8. Whether the buffer stock sugar has been insured. If so, give the name and address of the insurer, the risks covered and an attested copy of the Insurance Policy.

In case of removal and replacement of the buffer stocks, furnish the following additional information :	(Quantity to be indicated in quintals and amount in rupees)
9. Reasons for removal and replacement of stocks	(b) Amount out of (a) kept in separate Bank Account with number of the Account :
10. Reference number and date of communication from the Central Government/Chief Director permitting or authorising removal/replacement etc.	(c) Amount out of (b) actually utilised for payment of cane price.
11. Grade, sugar year and quantity of stocks of sugar removed (in quintals) with date of removal	(d) Balance [(b) minus (c)] at the close of last date of the period/quarter of the claim.
12. Grade, sugar year and quantity of stocks of sugar replaced (in quintals) with date of replacement	(e) Reasons for non-utilisation of the amount at (d).
Place :	Signature : Name : Designation : Name and address of the sugar undertaking :
Date : _____	(Occupier)

FORM V
[Rule 19 (16)]
(To be submitted in triplicate)

Form for claiming payment of subsidy towards interest and storage and insurance charges for buffer stock of sugar for the period from _____ to _____ /quarter ending _____ 19 _____

(Quantity to be indicated in quintals and amount in rupees)

1. Name and address of the sugar undertaking.
2. Reference number and date of communication(s) from Central Government/Chief Director communicating :
 - (a) total quantity of sugar to be maintained as buffer stock:
 - (b) Gradewise and sugar yearwise quantity of sugar to be segregated and stored as buffer stock :
3. Gradewise and sugar yearwise quantity of sugar actually segregated and stored as buffer stock :

Period	Quantity
From	To

4. Periodwise details of quantity of sugar segregated and stored as buffer stock :
5. Additional credit received from the Bank on buffer stock :
 - (a) Amount received with date of receipt.

7. Value of sugar provided under sub-rule (15) of rule 19.	Month	Tariff value in rupees	Average realisation (Rupees per quintal)
(i)			
(ii)			
(iii)			
TOTAL :			Average

8. (i) Calculation of subsidy on account of interest charges on the buffer stock of sugar—
 - (a) amount of interest (in words and figures) actually paid to the bank for the period from _____ to _____ /quarter ended on _____.
 - (b) amount calculated under sub-rule (15) of rule 19.
- (ii) Amount on account of storage and insurance charges, calculated under sub-rule(15) of rule 19.
9. Amount of subsidy claimed—
 - (i) Interest charges as per item 8(i) (a) or 8(i) (b), whichever is less.
 - (ii) Storage and insurance charges as per item 8(ii).

<p>2. Location :</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) Name and address of the applicant institution. (b) Name and address of the Head of the Department/ Division of the institution responsible for the implementation of the scheme. (c) Actual location where the research work will be carried out. <p>3. Information regarding Principal Investigator:</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) Name and Designation : (b) Brief bio-data indicating his specialised interest particularly in relation to the proposed research work. (c) List of important publications in this or related field (Clearly indicate names of co-authors, if any, full title, name of journal, volume and page number). (d) List of other research scheme(s) being carried out by the Principal Investigator with financial support from agencies/organisations including Central/State Governments. 	<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="width: 25%;">Name of the Agency/organisation</th> <th style="width: 25%;">Title of the Scheme</th> <th style="width: 15%;">Period</th> <th style="width: 35%;">Amount of Grant (Rupees)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td> </td> <td> </td> <td>From To</td> <td> </td> </tr> </tbody> </table>	Name of the Agency/organisation	Title of the Scheme	Period	Amount of Grant (Rupees)			From To	
Name of the Agency/organisation	Title of the Scheme	Period	Amount of Grant (Rupees)						
		From To							
<p>4. Information regarding other research scientists/technologists to be associated with the proposed research scheme.</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) Name and designation. (b) Brief Bio-data indicating his specialised interest particularly in relation to the proposed research scheme. (c) List of important publications in this or related field (Clearly indicate names of co-authors, if any, full title, name of journal, volume and page number). (d) List of other research scheme(s) with which he/they is/are associated which are being carried out with financial support from agencies/organisations including the Central/State Governments. 									
<p>5. Objective : (Objectives should be precise and result-oriented, which could be achieved within a specified period of time. Also indicate briefly the importance and the relevance of the problem in the background of which the objectives have been formulated. The assumptions made and a clear-cut formulation of the basic hypotheses to be tested should also be given)</p> <p>6. Practical/Scientific Utility : (Indicate practical utility of the investigation including economic gains likely to accrue).</p> <p>7. Review of research conducted/being conducted on the subject in India and abroad :</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) at the applicant institution (State if any preliminary work has been done, techniques standardised, data collected etc.) (b) Research work done and its progress in India. (c) Research work done and its progress abroad. <p>8. Technical programme: (Indicate the essential phases/items of contemplated programme giving insight into the methodology and experimental techniques to be employed for executing the research scheme. Give yearwise or half yearly plan of work for appraisal of the research scheme).</p> <p>9. Give details of facilities required for conducting the research scheme:</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) Already available and can be provided free of charge— <ul style="list-style-type: none"> (i) Laboratory & Office facilities; (ii) List of equipment/ machinery: (b) Additional facilities required :— <ul style="list-style-type: none"> (i) Laboratory and office facilities ; (ii) List of equipment/ machinery : 									

10. Duration:

(It shall be normally for a period of three years and in no case shall it go beyond five years including extension, if any granted).

11. Estimates of costs :

(Make yearwise estimates for the total period of the scheme giving details as indicated below)---
(The posts should be provided in the scale of pay prevalent in the applicant institution/Central/ State Government for similar posts. The provision for pay should be made only at the initial pay of the scale).

S. No.	Name of Post	Scale of pay	No. of posts			
			1st year	2nd year	3rd year	Total
(1)	Pay of Officers :					
(2)	Pay of Establishment :					
	(Expenditure on supporting staff, such as Laboratory Assistants, Helpers, Clerks, etc. will not be normally provided from the Fund)					
(3)	Allowances and honoraria :					
	(i) Dearness allowance :					
	(ii) House Rent					
	(iii) City Compensatory allowance					
	(iv) Other allowances (to be specified)					
	(v) Travelling allowance					

12. Contingencies :

- (a) Recurring :
- (b) Non-recurring:
- (c) Total
- (d) Share to be contributed by the Sugar Development Fund.
- (e) Share of the Applicant institution.

13. Receipts anticipated:

(Please indicate the approximate receipts as a result of working of the Scheme)

14. CERTIFIED THAT—

- (a) The research work proposed in the scheme does not in any way duplicate the research work already done or being carried out elsewhere on the subject.
- (b) The scale of pay, allowances, etc., proposed above are those admissible to persons of corresponding status employed under
- (c) The present scheme cannot be combined with any scheme financed by the applicant institution Central/State Governments, universities or private institutions out of their own funds.
- (d) Necessary provision for the scheme will be made in the (name of applicant institution's) budget in anticipation of the sanction of the scheme by the Central Government.
- (e) The information furnished above is correct.

15. I/We undertake to abide by the terms and conditions as may be prescribed by the Central Government.

I/We undertake to execute a Memorandum of Understanding incorporating the terms and conditions as may be prescribed by the Central Government.

Signature :
Name :
Designation:
Date:

[14-1/82-Sugar (DF)]
C. P. SETH, Dy. Secy. (SF)